● सीधी, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 110, पृष्ठ : 08, सीधी, सोमवार, 27 मई 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

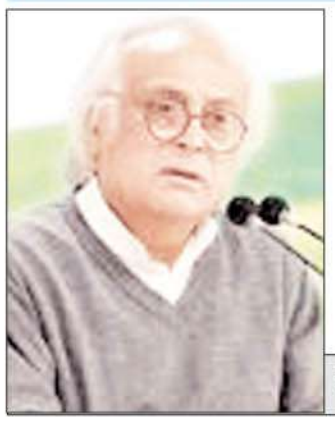

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

इंडिया गठबंधन ने पार कर लिया 272 का आंकड़ा : जयराम 5

विराट को छोड़ टीम इंडिया अमेरिका रवाना 6

यूपी के लोग राजनीति को समझने में माहिर : मोदी

मिर्जापुर में पीएम मोदी बोले- अच्छे-अच्छों की गर्मी उतारने में एक्सपर्ट हैं योगी

मिर्जापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बरकछा कलां में गठबंधन की मिर्जापुर और राबर्ट्सगंज सीट पर लोकसभा प्रत्याशियों व दुद्धी सीट पर होने वाले उपचुनाव के प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा की। इस दौरान उन्होंने इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। कहा कि यूपी में योगी की सरकार मोदी के स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ा रही है। सपा सरकार में पहले जनता कांपती थी अब माफिया थर- थर कांपते हैं।

पीएम ने कहा याद करिए सपा का वो जंगल राज, बहन- बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था। मां-बाप मजबूर होकर बेटियों का स्कूल- कॉलेज छुड़वा देते थे। व्यापारी इसी खौफ में जीते थे कि कब कौन फिरौती मांग ले। कब

किसका खेत चला जाए। सरकार की जमीन तक पर माफियाओं ने महल खड़े कर दिए थे। लेकिन जबसे योगी आए हैं, माहौल ही बदल गया, मौसम बदल गया। हमारे योगी तो अच्छे-अच्छों की गर्मी उतारने में एक्सपर्ट हैं। अब माफियाओं की मौज खत्म हुई है। उनके महलों की जगह गरीबों के लिए घर बन रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वालों को देश अच्छी तरह जान गया है। ये लोग घोर सांप्रदायिक, जातिवादी, परिवारवादी हैं। कानून व्यवस्था और समाजवादी का 36 आंकड़ा है। आतंकवादियों को छोड़ देते थे। जो पुलिस अफसर आना कानी करता था उसे सस्पेंड कर देते थे। मिर्जापुर को बदनाम कर दिया था। पूर्वांचल को माफियाओं का सुरक्षित ठिकाना बना दिया था। जीवन हो या जमीन कब छिन जाए कोई नहीं जानता था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडी गठबंधन पर हमला जारी रखते हुए पार्टी की तुलना एक घर बनाने वाले अलग अलग मिस्त्रयों से की। लोगों से पूछा कि अपना घर बनाते हैं। आज सामान्य आदमी भी कभी अपना घर बनाने के लिए हर महीने अलग अलग मिस्त्री नहीं रखता। हर महीने मिस्त्री बदलेगा तो घर किसी को दिखाने लायक बनेगा क्या। हंसते हुए कि एक छोटा सा घर भी बनाना है तो बार बार मिस्त्री नहीं बदलते भाई। पांच साल में पांच प्रधानमंत्री कोई रखता है क्या, कोई मिस्त्री नहीं रखता तो कोई प्रधानमंत्री जब कुर्सी बचाने में ही लगा रहेगा तो देश कैसे चलाएगा। मजबूत देश के लिए मजबूत प्रधानमंत्री । तभी एनडीओ को इतना भारी जनादेश मिल रहा है। सपा पर कोई वोट अपना बर्बाद नहीं करना चाहता। हमारे यूपी के लोग राजनीति को समझने में माहिर है। कोई कंपनी डूब रही है तो कोई शेयर खरीदेगा क्या। डूब रहे हैं उसको कोई वोट देगा क्या। पता है कि डूबना तय है तो वोट देने की गलती क्यों करेगा। चौराहे पर खड़े हो जाएं तो 90 लोग किसको वोट देंगे पता चल जा रहा है।

पीएम ने आगे कहा कि अपने वोट बैंक के लिए इंडी गठबंधन वाले कोई भी हद पार कर सकते हैं। उनके निशाने पर देश का संविधान भी है। दलित, पिछड़ों आदिवासी का हक लूटना चाहते हैं।

नर्सिंग कॉलेजों की गड़बड़ियों पर सीएम सख्त, बर्खास्त किए जाएंगे सभी दोषी अधिकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश के नर्सिंग कॉलेज में चल रहे घोटाले को लेकर सख्ती दिखाई है। सीएम के निर्देश पर मेडिकल एजुकेशन विभाग ने नर्सिंग कॉलेज में सुधार के लिए रोडमैप बनाया है। बड़े पैमाने पर ऑपरेशन शुरू किया गया है। उन अधिकारियों तथा कर्मचारियों की पहचान की जा रही है, जिन्होंने अनफिट नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता देने में सहायता की। साथ ही इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की तर्ज पर नर्सिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए परीक्षा ली जाएगी।

केंद्र के नर्सिंग एक्ट के अनुसार, राज्य में एक आयोग का भी गठन किया जाएगा। इस संबंध में सीएम मोहन यादव ने विभागीय सचिव मोहम्मद सुलेमान को निर्देश दिए हैं। सीएम ने नर्सिंग काउंसिल

के तत्कालीन रजिस्ट्रार और सचिव पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए शासकीय नर्सिंग संस्थानों में रिक्त पदों पर जल्द भर्ती के निर्देश भी सीएम की ओर से दिए गए हैं।

घोटाला के अपराधियों की धरपकड़ के लिए अब अभियान चलाया जाएगा। पुलिस एक-एक कर दलालों पर कार्रवाई करेगी। लोकसभा चुनाव के बीच नर्सिंग घोटाला सामने आने के बाद प्रदेश सरकार की छवि खराब हुई है। अब सीएम मोहन यादव ने डीजीपी सुधीर सक्सेना संग बैठक कर आला अफसरों को अपराधियों के साथ सख्ती से पेश आने के निर्देश दिए हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नर्सिंग घोटालों के दलालों की लिस्ट बनाई जाए। इसके बाद सिलसिलेवार ढंग से सभी पर कार्रवाई हो। कोई भी बचना नहीं चाहिए। बता दें कि मध्यप्रदेश में हाल ही में सामने आए नर्सिंग घोटाले के तार अब व्यापमं कांड से भी जुड़ रहे हैं। नर्सिंग घोटाले में पकड़े गए सीबीआई इंस्पेक्टर राहुल राज का नाम 2017 में एमपी व्यापमं घोटाला के जांच अधिकारियों में शामिल था। चूंकि अब राहुल खुद नर्सिंग घोटाले में आरोपी हैं, ऐसे में उसकी भूमिका पूरी तरह संदिग्ध है।

बीजेपी विज्ञापन केस में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

नई दिल्ली। कलकत्ता हाईकोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी को तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ विज्ञापन छापने से रोक दिया था। इसके खिलाफ बीजेपी ने सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन बेंच में याचिका लगाई थी, जिस पर 27 मई को सुनवाई होगी। 20 मई को कलकत्ता हाईकोर्ट की सिंगल जज बेंच ने एक आदेश में कहा था कि ये विज्ञापन अपमानजनक हैं और लोकसभा चुनाव 2024 की आचार संहिता का उल्लंघन करते हैं।

22 मई को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने कहा था कि वह सिंगल जज बेंच से पारित हुए अंतरिम आदेश के खिलाफ याचिका पर विचार करने की इच्छुक नहीं है। इसके बाद बीजेपी ने सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन लगाई, जिस पर जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच सुनवाई करेगी। याचिका में 20 मई के अंतरिम आदेश के साथ-साथ हाईकोर्ट से पारित आदेश पर भी रोक लगाने की मांग की गई है।

भाजपा ने डिवीजन बेंच के समक्ष इंट्रा-कोर्ट अपील लगाई थी। इसमें दावा किया गया था कि सिंगल जज बेंच ने बिना कोई सुनवाई किए आदेश पारित कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में दी गई अपनी याचिका में, भाजपा ने कहा है कि हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच को इस बात पर विचार करना चाहिए था कि पार्टी की बात नहीं सुनी गई और सिंगल जज ने केवल एक पक्ष पर रोक लगा दी। बीजेपी ने कहा कि यह सामने लाना जरूरी है कि हाईकोर्ट ने जो राहत टीएमसी को दी है, वह उसकी अपील में ही नहीं थी। उनकी अपील केवल चुनाव आयोग को कानून के अनुसार कदम उठाने का निर्देश देने वाले अंतरिम आदेश तक ही सीमित थी।

तूफान रेमल आज रात बंगाल तट से टकराएगा

कोलकाता। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात रेमल देर रात तक तूफान में बदल जाएगा। आईएमडी के वैज्ञानिक सोमनाथ दत्ता के मुताबिक पिछले 6 घंटों में रेमल 13 किमी/घंटा की रफ्तार से बंगाल की खाड़ी में उत्तर की ओर बढ़ रहा है। रविवार रात 12 बजे के बाद यह बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में सागर आइलैंड और बांग्लादेश के खेपुपाड़ा के बीच लैंडफॉल करेगा। इस दौरान करीब 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

लैंडफॉल के वक्त बंगाल की खाड़ी में 1.5 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं। बंगाल और बांग्लादेश के निचले इलाकों में पानी भरने की आशंका है।

दिल्ली के चाइल्ड हॉस्पिटल में आग, 6 नवजात की मौत

अस्पताल का मालिक गिरफ्तार, आरोप- बिल्डिंग में अवैध ऑक्सीजन की रीफिलिंग होती थी

नई दिल्ली। दिल्ली के विवेक विहार स्थित एक चाइल्ड हॉस्पिटल में शनिवार 25 मई की देर रात आग लग गई। हादसे में 6 नवजात की मौत हो गई। 5 का रेस्क्यू किया गया है। दो मंजिला बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर पर न्यू बॉर्न बेबी केयर सेंटर था। इसमें कुल 12 बच्चे भर्ती थे।

दिल्ली फायर सर्विस चीफ अतुल गर्ग ने बताया कि अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। हालांकि शुरुआती जांच में ऑक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट को कारण बताया जा रहा है। बेबी केयर

सेंटर के नीचे ग्राउंड फ्लोर पर अवैध ऑक्सीजन सिलेंडर रीफिलिंग का काम चल रहा था।

दिल्ली पुलिस ने चाइल्ड हॉस्पिटल के मालिक नवीन खिची के खिलाफ आईपीसी की धारा 336 (दूसरों की निजी सुरक्षा को खतरे में डालना), 304 (लापरवाही से मौत) और 34 (आपराधिक गतिविधि) के तहत एफआईआर दर्ज की है। वह पश्चिम विहार का रहने वाला है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के बाद से वह फरार था। उधर, दिल्ली सरकार ने आग लगने की घटना को लेकर मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। शहादरा के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि अस्पताल का एनओसी 31 मार्च को एक्सपायर हो गया था। अस्पताल के पास सिर्फ 5 बेड लगाने की परमिशन थी, लेकिन वहां 10 से ज्यादा बेड लगाए गए।

सिंगापुर के बाद कतर एयरवेज की फ्लाइट टर्बुलेंस में फंसी, 6 क्रू मेंबर समेत 12 घायल

सिंगापुर। कतर एयरवेज प्लेन के एयर टर्बुलेंस में फंसने का मामला सामने आया है। दोहा से कतर एयरवेज की उड़ान क्यूआर 017 रविवार 26 मई को टर्बलेंस में फंस गई। इस घटना में 6 क्रू मेंबर समेत 12 लोग घायल हो गए हैं। ये प्लेन दोहा से डबलिन जा रही था। कतर एयरलाइंस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि ये टर्बुलेंस तुर्किये के ऊपर से उड़ान भरते वक्त हुआ। दोपहर एक बजे के पहले यह फ्लाइट डबलिन हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गई।

हमास ने इजराइल पर 8 मिसाइलें दागी

तेलअवीव। हमास की अल-कासिम बिग्रेड ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव में रविवार को एक बड़ा मिसाइल हमला किया है। सोशल मीडिया पर एक बयान में हमास की रक्षा शाखा अल-कासिम बिग्रेड ने कहा कि इजराइली नरसंहार के जवाब में ये कार्रवाई हुई है। बाद में इजराइली सेना ने भी माना कि राफा से 8 रॉकेट दागे गए।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक इसे जनवरी के बाद से इजराइल पर हमास का पहला बड़ा हमला माना जा रहा है। हमास अल-अक्सा टीवी ने बताया कि रॉकेट हमले गाजा पट्टी से किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना ने संभावित हमलों की चेतावनी देते हुए कई शहरों में सायरन बजाया।

पिछले 5 महीने से तेल अवीव में कभी सायरन की आवाज नहीं सुनी गई थी। ऐसे में आज अचानक सायरन बजने को लेकर इजराइली सेना ने शुरुआत में कोई खास जानकारी नहीं दी थी। लेकिन बाद में उसने कहा कि 8 रॉकेट हमले किए गए थे।

सेना ने कहा कि राफा से हमले सेंट्रल इजराइल पर किए गए थे। वे इनमें से कई हमलों को रोकने में सफल हुए। इस बीच इजराइली इमरजेंसी मेडिकल सर्विस ने कहा है कि उन्हें किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

कोविड के नए वैरिएंट को लेकर रैंडम सैंपल सर्वे का आदेश जारी

नई दिल्ली। कोविड के जिस नए स्वरूप के सिंगापुर समेत दुनिया के अलग-अलग मुल्कों में मामले सामने आए हैं, उसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चिंता जताई है। इसके आधार पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में देश में मिले ऐसे मामलों के बाद कई महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश और आदेश जारी किए हैं। फिलहाल अब देश के अलग-अलग राज्यों में एक सप्ताह तक रेंडम सैंपल लेकर सर्वे किया जाएगा। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों और विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड का यह बदला स्वरूप, न तो खतरनाक है और ना

ही चिंता की बात है। फिलहाल जून के दूसरे हफ्ते में रेंडम सैंपल सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में कोविड के बदले स्वरूप से प्रभावित हुए मरीज और राज्यों की पूरी जानकारी महत्वपूर्ण बैठक में रखी गई। जानकारी के मुताबिक, केपी.1 और केपी.2 के तकरीबन सवा तीन सौ मामलों की जानकारी सामने आई है। इसमें केपी.1 के 34 मामले देश के अलग-अलग राज्यों में पाए गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा 23 मामले पश्चिम बंगाल में मिले हैं। जबकि महाराष्ट्र में इस वैरिएंट के चार मामले सामने आए हैं। इसी तरह गुजरात और राजस्थान में भी दो-दो मरीज मिले हैं। जबकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक गोवा और हरियाणा समेत उत्तराखंड में भी एक-एक मरीज इसी नए वैरिएंट का मिला है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक अब तक देश में केपी. 2 के तकरीबन 290 मामलों की जानकारी मिली है। जिसमें महाराष्ट्र से 148 मामले शामिल हैं।

यह प्रश्न कौन बनेगा करोड़पति जैसा है : खड़गे

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शनिवार को हिमाचल प्रदेश के शिमला में थे। इस दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनसे इंडिया अलायंस के पीएम कैंडिडेट को लेकर सवाल पूछा गया, जिसके जवाब में उन्होंने कहा- यह सवाल तो कौन बनेगा करोड़पति जैसा है।

खड़गे ने कहा कि अगर हमारी सरकार बनती है तो सभी नेता बैठकर तय करेंगे कि कौन पीएम बनेगा। 2004 से 2014 तक यूपीए की सरकार रही है। इस दौरान भी चुनाव से पहले पीएम कैंडिडेट का ऐलान नहीं किया गया था।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के होशियारपुर में रोड शो किया। राज्य में 1 जून को लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। केजरीवाल ने रोड शो में कहा कि मैं जब पिछली बार यहां कैंपेन के लिए आया था तो मैंने कहा था कि मैं आपका बिजली बिल जीरो कर दूंगा। मैंने दिल्ली में ऐसा किया है और पंजाब में भी ऐसा करूंगा। अब पंजाब में आपका बिजली बिल जीरो हो गया है। पंजाब में हमने मोहल्ला क्लीनिक शुरू किए हैं। बीते दो साल में हमने लोगों को बहुत सारी सुविधाएं दी हैं।

पंजाब के पटियाला में मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा- मुझे यहां अच्छा माहौल लग रहा है।

झरोखा

लाभ के पथ पर बढ़ रहा भेल, निजीकरण की अभी कोई बात ही नहीं : एसएम रामनाथन

भोपाल। कोरोना के समय हम थोड़ा लड़खड़ाए थे, लेकिन अब भेल लाभ के पथ पर बढ़ चुका है। अभी निजीकरण की कोई बात ही नहीं है। आर्डर की कोई कमी नहीं है। ट्रांसफार्मर, टरबाइन, ट्रैक्शन मोटर, हाइड्रो सहित अन्य उपकरण बड़े स्तर पर बनाए जा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि वित्तीय वर्ष-2023-24 में 3,403 करोड़ रुपये का उत्पादन लक्ष्य पूरा करके भेल भोपाल कुल 17 यूनिटों में नंबर एक पर आया है। इससे पहले ज्यादातर भेल की त्रिची यूनिट ही अव्वल आती थी। इस बार भोपाल यूनिट अव्वल रही है। यह बात भेल के कार्यपालक निदेशक एसएम रामनाथन ने शनिवार को भेल बरखेड़ा स्थित नर्मदा अतिथि गृह में पत्रकारवार्ता में कही। उन्होंने वित्तीय वर्ष-2024-25 के लिए अधिकारिक रूप से 4,275 करोड़ रुपये का उत्पादन लक्ष्य का एलान भी किया। उन्होंने कहा कि अभी निजीकरण की कोई बात नहीं है। रही बात टाउनशिप की तो अधिकतर कर्मचारियों ने अपने स्वयं के मकान खरीद लिए हैं, इसलिए भेल आवासों में कम ही कर्मचारी बचे हैं। फिलहाल नए आवास बनाने की कार्ययोजना नहीं है। अब भेल में आर्डर की कमी नहीं है। 77,907 करोड़ रुपये के आर्डर मिल चुके हैं। इस बार भेल भोपाल यूनिट ने उत्पादन लक्ष्य पूरा करके 98 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है। कोरोना के समय 2020-21 में घाटा हुआ था, लेकिन अब निरंतर लाभ हो रहा है। भेल में स्थायी भर्तियां मुख्यालय स्तर पर निकलती हैं। कुछ दिनों पहले इंजीनियर व सुपरवाइजरों को अलग-अलग यूनिटों में खाली जगह के हिसाब से रखा गया है।

पांच साल के अंदर देशभर में लागू होगा यूसीसी : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मोदी सरकार के अगले कार्यकाल में ही देशभर में समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाएगी। शाह ने कहा कि अगर भाजपा की सत्ता में वापसी होती है तो सभी हितधारकों से व्यापक चर्चा के बाद यूसीसी को लाया जाएगा। एक इंटरव्यू के दौरान अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार का अगला कार्यकाल कई मायनों में अहम होगा क्योंकि इसी दौरान एक देश-एक चुनाव को भी लागू किया जाएगा। शाह ने कहा कि अब समय आ गया है, जब देशभर में एक साथ चुनाव हों।

शाह ने कहा समान नागरिक संहिता हम पर एक जिम्मेदारी है, जिसे हमारे संविधान निर्माता हम पर, हमारी संसद पर और राज्य विधानसभाओं पर छोड़कर गए हैं। संविधान सभा ने हमारे लिए जो मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए थे, उनमें समान नागरिक संहिता भी शामिल है। यहां तक कि उस समय भी कानूनी विशेषज्ञों जैसे केएम मुंशी, राजेंद्र बाबू, अंबेडकर जी ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर कानून नहीं होने चाहिए। समान नागरिक संहिता होनी चाहिए।

शाह ने कहा समान नागरिक संहिता हम पर एक जिम्मेदारी है, जिसे हमारे संविधान निर्माता हम पर, हमारी संसद पर और राज्य विधानसभाओं पर छोड़कर गए हैं। संविधान सभा ने हमारे लिए जो मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए थे, उनमें समान नागरिक संहिता भी शामिल है। यहां तक कि उस समय भी कानूनी विद्वानों जैसे केएम मुंशी, राजेंद्र बाबू, आंबेडकर जी ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर कानून नहीं होने चाहिए। समान नागरिक संहिता होनी चाहिए।

गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करके एक प्रयोग किया है क्योंकि यह राज्यों और केंद्र दोनों का विषय है। समान नागरिक संहिता हमारे एजेंडे में साल 1950 से ही है और हाल ही में भाजपा शासित राज्य उत्तराखंड में इसे लागू भी कर दिया गया है। अमित शाह ने कहा मुझे लगता है कि समान नागरिक संहिता एक बड़ा सामाजिक, कानूनी और धार्मिक सुधार होगा। उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाए कानून की भी सामाजिक और कानूनी जांच भी होनी चाहिए और धार्मिक नेताओं से भी सलाह ली जानी चाहिए।

उन्होंने कहा मेरा मतलब है कि इस मुद्दे पर व्यापक बहस होनी चाहिए और अगर कुछ भी बदलाव की जरूरत महसूस होती है तो उत्तराखंड सरकार को वह बदलाव करना चाहिए। यह मामला कोर्ट में भी जरूर जाएगा और न्यायपालिका भी इस पर अपना विचार देगी। इसके बाद राज्य विधानसभाओं और संसद को भी इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और कानून को लागू करना चाहिए। यही वजह है कि हमने अपने संकल्प पत्र में भी लिखा है कि भाजपा पूरे देश में समान नागिरक संहिता लागू करेगी। क्या देश में अगले पांच वर्षों में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी? इसके जवाब में अमित शाह ने कहा यह अगले कार्यकाल में हो सकता है। पांच साल इसके लिए पर्याप्त समय है।

एक देश एक चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर अमित शाह ने कहा पीएम मोदी ने रामनाथ कोविंद समिति का गठन किया था। मैं भी उसका सदस्य था। यह रिपोर्ट जमा कर दी गई है और अब समय भी आ गया है, जब देश में चुनाव एक साथ कराए जाएं। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में ही इसे लागू करने की कोशिश की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा एक साथ चुनाव कराने से चुनाव की लागत भी कम होगी। इन आम चुनाव में मतदाता भीषण गर्मी से परेशान हैं और इसका असर मतदान प्रतिशत पर भी पड़ा है।

गर्मी से मरीज हो रहे परेशान

गर्म हवा दे रहे वार्डों में लगाए गए पंखा, कूलर, मरीजों के सेहत में नहीं हो रहा सुधार

सिंगरौली। जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर के वार्ड में भर्ती मरीज गर्मी से परेशान हो रहे हैं। पिछले कई बार मरीजों ने वार्ड में एसी लगाए जाने की मांग की है लेकिन सुनवाई नहीं हुई। अब स्थिति यह है कि वार्ड में लगाए गए कूलर में पानी नहीं भरने के कारण गर्म हवा दे रहे हैं। जिससे भर्ती मरीज परेशान हो रहे हैं। बीते शनिवार की शाम मरीजों के परिजन गर्मी से हो रही समस्या को लेकर चिकित्सकों को अवगत कराया है। बताया कि वार्ड में दिन गुजारना मुश्किल हो रहा है। रात तो वार्ड स्थित गलियारे में घूमकर कट रही है। भीषण गर्मी से मरीजों की सेहत और बिगड़ रही है। जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर के तीसरी मंजिल पर स्थित मेडिकल वार्ड में भर्ती मरीज गर्मी से परेशान हो रहे हैं। शनिवार को तापमान 41 डिग्री पार रहा। पहले से बीमार मरीजों को गर्मी बेचैन

कर रही है। एसी में बैठे अफसरों की उन मरीजों के सेहत की चिंता नहीं हो रही है। जो पहले से बीमार होकर वार्ड में गर्मी की मार झेल रहे हैं। सर्जिकल और आर्थोपेडिक वार्ड में कूलर लगाया गया है लेकिन उसमें पानी नहीं है। ऐसे में यह कहना मुश्किल हो रहा है कि भर्ती मरीजों के सेहत में सुधार होगा।

गर्म हवा उगल रहे कूलर व पंखा

वार्ड में भर्ती बच्चों को भी गर्मी से समस्या हो रही है। स्थिति यह है कि परिजन वार्ड से बाहर टहलते रहते हैं। एक तो बीमार, दूसरे गर्मी की मार से छोटे बच्चों की सेहत और बिगड़ रही है। वार्ड में कूलर और पंखे तो लगे हैं लेकिन कूलर में पानी नहीं भरा जा रहा है। जिससे पंखा व कूलर गर्म हवा उगल रहे हैं।

ग्रामीण अस्पतालों में भी बनी है समस्या

जिले के ग्रामीण अंचलों में सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी यह समस्या बनी हुई है। यहां प्रसव कराए जा रहे हैं। गर्मी से वार्ड धधक रहे हैं। एसी केवल चिकित्सकों के चेंबर में लगा हुआ है। स्वास्थ्य केंद्रों में वार्ड में भर्ती मरीजों को पंखा तक नसीब नहीं हो रहा है। इस गंभीर समस्या की ओर जिला अस्पताल प्रबंधक एवं जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया गया है।

गर्मी के चलते मरीज के साथ बढ़ी मुसीबत

तापमान में बढ़ोतरी के चलते वर्तमान में मरीजों की संख्या में काफी अधिक इजाफा हो गया है। हर रोज 800 से अधिक मरीज ओपीडी में पहुंच रहे हैं। ऐसे में पर्ची काउंटर से लेकर चिकित्सक के चेंबर तक मरीजों की भारी भीड़ जमा हो रही है। पर्ची और दवा काउंटर पर लाइन लगने के चलते स्थिति थोड़ी सामान्य है, लेकिन चिकित्सक के चेंबर में मरीजों की भीड़ देखने को मिल रही है।

प्रशिक्षण अच्छा होगा तो मतगणना सरलता से होगी: नोडल अधिकारी

मतगना कर्मियो को दिया मतगणना कार्य का प्रशिक्षण

सिंगरौली। मतगणना का कार्य पूरी सावधानी और सजगता के साथ किया जाने वाला कार्य है। इस कार्य में लगे अधिकारी और कर्मचारी प्रशिक्षण में बताई जा रही बातों के साथ विधियों को अच्छी तरह से समझें। इससे गणना का कार्य सही तरीके से हो सके। प्रशिक्षण अच्छा होगा तो मतगणना सरलता से होगी। उक्त आशय के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश के द्वारा दिया गया। विदित हो कि आज रविवार को शासकीय महाविद्यालय बैढ़न में मतगणना के कार्य में सलग्न अधिकारियो कर्मचारियो को मतगणना कार्य का प्रशिक्षण कुशल मास्टर ट्रेनरो द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान ईवीएम से की जाने वाली गणना किस प्रकार की जाएगी। इस दौरान क्या-क्या सावधानी रखना है। रेंडम आधार पर चयनित एक वीवीपैट मशीन की पर्चियों का मिलान किस प्रकार उस मतदान केंद्र पर मशीन में डाले गए वोट से

किया जाएगा। इसके बारे में अधिकारी व कर्मचारियों को विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया कि किस प्रकार उनकी टेबल पर कंट्रोल यूनिट लाई जाएगी। किस प्रकार कंट्रोल यूनिट की सील को मतगणना एजेंटों को दिखाना है। उसे हटाकर मशीन में डाले गए वोटों की गिनती कर पत्रक तैयार किए जाएंगे। तैयार पत्रकों को किस प्रकार सहायक रिटर्निंग अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान गणना कर्मियों को कंट्रोल यूनिट पर गणना कार्य का प्रदर्शन भी करके दिखाया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान किया गया। प्राजेक्ट के माध्यम से भी बारीकियों से अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि किस प्रकार मतगणना के बाद पुन: ईवीएम की सीलिंग की जाएगी। इस कार्य में भी किस प्रकार पारदर्शिता रखी जाना है। इसके बारे में विस्तार से बताया गया।

कस्तूरबा बालिका छात्रावास से सहायक वार्डेन व उसके पति को हटाया जाए: एबीवीपी

सिंगरौली

चितरंगी के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में सहायक वार्डेन उर्मिला सोनी व उनके पति आरपी सोनी अपने बच्चो के साथ रात में चोरी-चोरी हॉस्टल में रहते है। वहां खाना भी खाते हैं और दिन के समय बाहर आ जाते है। आखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री संदीप यादव ने डीपीसी जिला शिक्षा केन्द्र को अवगत कराते हुए कहा है कि वार्डेन के पति आरपी सोनी अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं। आरोप है कि वह दुष्कृत्य का आरोपी है और दो वर्ष तक जेल में रहा है। हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं के अभिभावको का कहना है कि इस प्रकार के अपराधी और अराजकतत्व को बालिका छात्रावास में रात के दौरान रुकने से किसी प्रकार की अप्रिय घटना हो सकती है। इसलिए बालिकाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत ऐसे महिला पुरूष को हास्टल में रुकने की अनुमति नही दी जानी चाहिए। इसी आशय का पत्र जिला शिक्षा अधिकारी को भी प्रषित करते हुए उक्त महिला पुरूष को हटाने की मांग की गई है। एबीवीपी ने चेतावनी दी है कि तत्काल प्रभाव से उक्त महिला व पुरूष को बालिका छात्रावास से हटाया जाए वरना संगठन के अभिभावक उग्र आंदोलन करने को विवश होंगे,जिसकी समस्त जवाबदेही विभाग की होगी।

सिंगरौली पुलिस ने किया नाइट काम्बिंग गश्त

68 आरोपियों पर हुई कार्रवाई,बेवजह घूमते पाए गए लोगो को दी समझाइश

सिंगरौली। जिले में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता द्वारा शनिवार की रात्रि औचक कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया गया। इस अभियान में जिले भर के थाना क्षेत्रों चलाया गया,जहां अलग-अलग टीमों ने नाइट कॉम्बिग गश्त के दौरान गिरफ्तारी वारंटी, फरारी वारंटी, स्थाई वारंटी, इनामी बदमाशों व गुण्डा/निगरानी बदमाश के साथ अन्य अपराधों में फरार आरोपियों की धरपकड़ करते हुए 68 आरोपियों पर कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता के निर्देशन एवं शिव कुमार वर्माए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

व अनुभाग के समस्त राजपत्रित अधिकारियों पुलिस के नेतृत्व में अलग-अलग पुलिस अधिकारी-कर्मचारियो की टीमें बनाकर एवं उन्हे ब्रीफ कर नाइट कॉम्बिंग गस्त की। रात भर चली इस कार्यवाही में लगभग 6 घण्टे में 47 गिरफ्तारी वारंटी आरोपी गिरफ्तार किए हैं। 8 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। 5 निगरानी बदमाश, 5 गुण्डा बदमाश को चेक किया गया तथा 3 अवैध शराब की तस्करी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। इस दौरान शहर एवं कस्बों में एटीएम एवं बैंकों की सुरक्षा में लगाए गए उपकरण एवं सुरक्षा गार्डो को भी चेक किया गया। रात्रि कॉम्बिग गस्त के दौरान जिले के राजपत्रित अधिकारी एवं थाना/चौकी प्रभारीगणों नें पेट्रोलिंग कर प्रमुख चौक-चौराहों पर आने जाने वालों से पूछताछ की गई। इस दौरान बेवजह घूमते पाये गये युवकों को पुलिस अधिकारियों द्वारा समझाईश दिया गया, यह कार्यवाही पूरे जिले में एक साथ की गई।

बलियरी ने कई जगहों पर डंप था अवैध रेत, खनिज विभाग ने किया जब्त

सिंगरौली। खनिज विभाग ने अवैध रेत कारोबारियों पर लगातार कार्रवाई करते हुए बीते दिवस बलियरी में लाखों रुपए का अवैध रेत भंडारण को जब्त किया है। खनिज विभाग से मिली जानकारी के अनुसार खनिज विभाग के खनिज अधिकारी एके राय को बार-बार शिकायत मिल रही थी कि बलियरी में अवैध रेत माफिया जगह-जगह अवैध रेत का भंडारण किया हुआ है। कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देशन में तत्काल खनिज अधिकारी एके राय द्वारा अवैध रेत माफ्रियाओं पर शिकंजा कसते हुए बलियरी में जगह-जगह अवैध रेत भंडारण पर छापा मार कार्यवाही में लाखों रुपए का अवैध रेत जप्त किया गया। उपरोक्त कार्रवाई में सहायक खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला, प्रभारी खनिज निरीक्षक मुनेंद्र सिंह, सैनिक गजानंद कुमार, दीनबंधु, बैढन पुलिस एवं सहकार ग्लोबल के रामकुमार गुप्ता व उनकी टीम मौजूद रही ।

महिला थाना में जन चेतना परामर्श शिविर का हुआ आयोजन

सिंगरौली। महिला थाना मे नवाचार अन्तर्गत जन चेतना परामर्श का पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता के कुशल निर्देशन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन मे निरी. अर्चना द्विवेदी द्वारा आयोजन किया गया । आयोजन मे 25 आवेदिकाओं के आवेदन पर 25 मई को थाना बुला कर जन चेतना परामर्श मे सलाहकार एवं काऊंसलर की उपस्थिति पति पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए निदान के लिए परामर्श दिया गया। 18 प्रकरणों मे परामर्श उपरान्त पति पत्नी

एवं पूर्व जन चेतना बैठक मे कुछ परिवारजन एक साथ रहते हुए अच्छे जीवन की शुरूआत करने के लिये सहर्ष तैयार होने पर साथ मे भेजा गया। जिसमे 2 परिजन आज बैठक मे उपस्थित आए और बताए कि हम लोग खुशहाल पूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे हैं । 5 प्रकरण मे आवेदक /अनावेदक द्वारा समय की मांग की गई। जिन्हे अगली चेतना परामर्श मे समझाईस देने की सलाह दी गई । 1 प्रकरण मे आवेदक/अनावेदक द्वारा अलग होने की बात रखी गई,जिन्हे न्यायालय जाने की सलाह दी गई एवं 1 प्रकरण मे अपराध पंजीबद्ध किया जावेगा। उपरोक्तानुसार नवाचार अन्तर्गत किये जा रहे परामर्श का उद्देश्य सुखद वैवाहिक जीवन का संचालन है । उपरोक्त परामर्श मे करीब 45 महिला पुरुष उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम को सम्पन्न कराने मे प्रियंका शर्मा, आईपी वर्मा, रानी सिंह,अल्पना सिंह,बेलाकली सिंह, रवि सिंह बघेल, सतीष बागरी, नातीलाल बागरी, योगेंद्र मिश्रा एवं प्रताप सिंह की भी सहभागिता रही।

विंध्याचल में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत प्लॉगिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सिंगरौली। एनटीपीसी केन्द्रीय कार्यालय एवं विद्युत मंत्रालय के निर्देशानुसार सभी परियोजनाओं में 16 से 31 मई तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत परियोजना के नगर परिसर में प्लॉगिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में नगरवासियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण समीर शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए सयंत्र में कार्य करने के साथ-साथ अपने दैनिक दिनचर्या में स्वच्छता को भी महत्व देना चाहिये।

सिंगरौली में गौशाला आधारित पुर्नयोजी कृषि पर कार्यशाला का हुआ समापन

सिंगरौली। जिले में 20 दिवसीय गौशाला आधारित पुनर्योजी कृषि पर 10 गौशाला में आयोजित कार्यशाला के समापन के बाद जिले के सभी गौशाला संचालक समूहों के पदाधिकारियों को 3 दिवसीय शगौशाला संचालन एवं प्रबंधन विषय पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण आजीविका मिशन सिंगरौली, एग्रीचिकित्सा केंद्र, बिरकु निया एवं कृषि विज्ञान केंद्र सिंगरौली के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण के पहले दिन गौशाला के मुख्य उत्पाद गोबर और गौमूत्र से विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाने की जानकारी दी गई। इनमें गाय की गोबर की लकड़ी,गमला, दीपक, खाद, कीटनाशक आदि शामिल हैंए जिन्हें बाजार में बेचकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। तथा दूसरे दिन सभी समूहों की महिलाओं को बिरकुनिया श्री राम गौशाला का दौरा कराया गया और वहां हो रहे नए नए प्रयोगों को दिखाया गया। साथ ही एग्रीचिकित्सा केंद्रए बिरकु निया में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का भी अवलोकन कराया गया। इसी प्रकार प्रशिक्षण के तीसरे दिन कृषि विज्ञान केंद्र में समूह की सभी महिला पदाधिकारियों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई।

केरवा नाला से अवैध रेत परिवहन करते ट्रैक्टर जब्त

नौडिहवा चौकी पुलिस ने की कार्यवाही

सिंगरौली। नौडिहवा चौकी पुलिस ने केरवा नाला से अवैध रेत परिवहन करते ट्रैक्टर को जब्त करते हुए खनिज अधिनियम एक्ट के तहत कार्यवाही किया है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता के निर्देशन मे चौकी प्रभारी नौडिहवा उदयचंद करिहार ने की है। जानकारी के अनुसार काम्बिंग गश्त के दौरान नौडिहवा पुलिस ने ग्राम गढ़वा केरवा नाला के पास मेन रोड पर एक ट्रैक्टर रेत लोड तमई तरफ जाने के लिए खड़ा था। ट्रैक्टर के पास पहुंचकर वाहन चालक का नाम पूछने पर विनोद कुमार बैस पिता कालिका प्रसाद बैस निवासी तमई बताया। चालक के पास रेत के संबंध में कोई वैध कागजात नही था व गढ़वा रेत टीला से रेत लोड कर तमई बैरिहवा टोला ले जाना बताया। पुलिस ने उक्त ट्रैक्टर को जब्त करते हुए ट्रैक्टर व चालक के खिलाफ धारा 379,414 भादवि,4/21 खान एवं खनिज अधिनियम 1957 पंजीबद्ध कर विवेचना में ले लिया। उक्त कार्यवाही गढ़वा थाना प्रभारी अनिल कुमार पटेल के मार्गदर्शन में नौडिहवा चौकी प्रभारी उदयचंद करिहार,सउनि रमेश प्रसाद, मदन तिवारी, प्रआर प्रमोद बैस, धीरेन्द्र पटेल, आर.पुष्पराज सिंह, राजेश मिश्रा, सहजानंद सिंह व आर राजा की भूमिका रही।

माटी गए मटिखाने हमार दूनउ हीरा हेराने

बैढ़न के मंगलम पैलेस में आयोजित हुआ विंध्य लोकरंग महोत्सव

जिले के लोक कलाकारों को किया गया सम्मानित

सिंगरौली

उत्थान सामाजिक सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति मध्यप्रदेश द्वारा बघेली बोली बानी के विलुप्त हो रही संस्कृति एवं गीतों के विस्तार संरक्षण, संवर्धन एवं उनके मंचीय स्वरूप को विस्तार देने के उद्देश्य से विंध्य के सभी जिलों में श्विंध्य लोकरंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक गायिका मान्या पाण्डेय के गीतों को सुनकर मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

इसी तारतम्य में शनिवार को सिंगरौली जिला मुख्यालय के मंगलम पैलेस बैढ़न में मुख्य अतिथि नगर निगम सिंगरौली महापौर रानी अग्रवाल, सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह,नगर निगम सिंगरौली अध्यक्ष देवेश पांडेय, जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष अरविंद सिंह चंदेल, नवप्रवाह समिति के अध्यक्ष अमित द्विवेदी, स्वतंत्र समाजसेवा समिति की अध्यक्ष मनोरमा शाहवाल,पत्रकार धनराज ज्ञानी, संदीप श्रीवास्तव, धीरेंद्र धर द्विवेदी की उपस्थिति में विंध्य लोकरंग महोत्सव का शुभारंभ किया गया। जिसमें राष्ट्रीय लोक गायिका मान्या पांडेय ने बघेली ऋ

तु गीत, श्रम गीत, संस्कार गीत, जातीय गीत व बुंदेली, छत्तीसगढ़ी, भोजपुरी गीतों की प्रस्तुति दी। जिसमें बघेली लोकगीत माटी गए मटिखाने हमार दूनउ हीरा हेराने, सीता बेटी के चढ़त चढ़ाव सीता बेटी अजब सजी, अनारदार बगिया न जाबय राजा, सासू पनिया कैसे जाऊं रसीले दूनउ नैना, फैशन मा टोरबा बउराय लागें बोलय मा बघेली लजाय लागे,पति पत्नी एक दिन करिन मन विचार चला राजा खेली थे खेलबार, बुंदेली लोकगीत कहूं खेलन निकरि गएं हमार लालना, भोजपुरी लोकगीत रेलिया बैरन पिया का लिए जाय रे, पनिया के जहाज से पलटनिया बनि अइहा पिया आदि गीतों की प्रस्तुति दी। महोत्सव में बघेली लोक गायक नरेन्द्र सिंह, सोनम मिश्रा, कपिल तिवारी सहित सिंगरौली जिले के स्थानीय लोक गायक संतोष गहरवार, आशीष गहरवार, श्रेयंसी पांडेय, कंचन गोस्वामी, सुशीला सिंह, पुनंजय शुक्ला, आशीष शर्मा आदि ने अपनी प्रस्तुतियां दी। आयोजन में बघेली लोक गायकों के अलावा संगीत संगतकार के रूप में रावेंद्र तिवारी ढोलक वादक, कर्णवीर सिंह बैंजो वादक, पवन शुक्ला तबला वादक, हरिश्चंद्र मिश्रा झांझ वादक एवं कोरस गायक, रजनीश जायसवाल कोरस, निर्भय द्विवेदी कोरस एवं मनोज विश्वकर्मा आदि ने अपनी भूमिका अदा की। उत्थान सामाजिक सांस्कृतिक और साहित्यिक संस्था द्वारा आयोजित विंध्य लोकरंग महोत्सव के अवसर पर मिथिलेश मिश्रा, डी के मिश्रा, कृष्णा शर्मा, राजराम, आशीष शर्मा, आशीष शाहवाल, राजेंद्र त्रिपाठी, सुग्रीव वर्मा आदि सहित सैकड़ों श्रोता उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट विद्यालय जैसा ग्रामीण अंचल का स्कूल पथरौला

सुंदर, आकर्षक और मनमोहक शाला परिसर

सीधी

सीधी जिला मुख्यालय से 45 किलो मीटर दूर स्थित पथरौला गांव में कक्षा 6 से 12 वीं तक संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पथरौला का सुंदर, स्वच्छ एवं मनमोहक परिसर, फूलों की बगिया, प्रेरणादायक कोटेशन, सुंदर दीवार लेखन, मनमोहक आकृतियां, खेल मैदान, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब, बालिकाओं के व्यावसायिक शिक्षा के लिए सिलाई मशीन लैब एवं पुस्तकालय किसी बड़े संस्थान की अनुभूति कराता है। पथरौला स्कूल में इस वर्ष 1305 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं जो ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में सर्वाधिक एवं पूरे जिले में तीसरे स्थान में है। पिछले चार वर्षों में पथरौला हायर सेकेंडरी स्कूल के नामांकन में 300 से ज्यादा की वृद्धि हुई है। विद्यालय में कल्चरल ट्विनिंग, इको क्लब, ओजस क्लब, विज्ञान क्लब, स्टैंडर्ड क्लब, छात्र प्रहरी क्लब, स्पोर्टस क्लब, खगोलीय क्लब, कैरियर

काउंसिलिंग एवं सीसीएलई के माध्यम से शैक्षिक एवं सह शैक्षिक गतिविधियां नियमित रूप से संचालित होती हैं।

वर्ष 2024 का बोर्ड परीक्षा का उत्कृष्ट रहा परिणाम

विद्यालय के इस वर्ष की बोर्ड परीक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम हाई स्कूल में शामिल 252 विद्यार्थियों में 196 छात्र उत्तीर्ण हुए जिसमे प्रथम श्रेणी में 146 विद्यार्थी, द्वितीय श्रेणी 39 एवं तृतीय श्रेणी में भी एक छात्र पास हुआ। इसी प्रकार हायर सेकेण्डरी परीक्षा में 302 विद्यार्थी शामिल हुए। विज्ञान संकाय में कुल शामिल 117 में से 114 उत्तीर्ण में सभी प्रथम श्रेणी में सफल हुए जिसमें 47 छात्रों ने 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किये हैं। कला संकाय में कुल 185 विद्यार्थी शामिल हुए जिसमे 114 प्रथम एवं 19 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी के साथ उत्तीर्ण हुए। पथरौला स्कूल से इस वर्ष 62 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक अर्जित किये हैं।

उपलब्धियों भरा रहा शैक्षणिक सत्र

इस सत्र में नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप में पथरौला के 14 विद्यार्थी चयनित हुए जो प्रदेश की किसी एक विद्यालय की सर्वाधिक संख्या है। व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में इस विद्यालय के 118 विद्यार्थी आई टी विषय का अध्ययन कर रहे हैं जो प्रदेश में आईटी विषय में सर्वाधिक छात्र संख्या है। बालिकाओं की व्यावसायिक शिक्षा के लिए सिलाई मशीन ट्रेड संचालित है जिसमें 44 बालिकाएं शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। इंस्पायर्ड अवार्ड योजना में इस वर्ष राज्य स्तरीय विज्ञान मेला में एक छात्र चयनित हुआ। आई टी क्रिज की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय की चार सदस्यीय टीम ने भाग लिया। सुपर 100 योजना में प्रति वर्ष यहां के विद्यार्थी चयनित होते हैं।

खेल प्रतियोगिताओं में छात्रों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

खेल के क्षेत्र में इस विद्यालय ने बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित इस स्कूल में नियमित खेल गतिविधियां होती रहती है। इसी का नतीजा रहा कि यहां की 03 छात्राएं हैंडबाल प्रतियोगिता में एवं 02 छात्र ओपन बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुए और न केवल अपने स्कूल का वरन जिले का भी नाम रोशन किये हैं। राज्य स्तर पर 16 बालिकाएं और 8 बालक पथरौला स्कूल से चयनित हुए हैं।

स्कूल के पूर्व प्रभारी प्राचार्य बताते हैं कि कई वर्षों के दिन रात मेहनत के बाद आज पथरौला स्कूल जिले के परिदृश्य में और सभी स्कूलों तक उत्कृष्ट शिक्षण कार्य के साथ हर विधा में अपना स्थान बनाया हुआ है। शैलेन्द्र सिंह बताते हैं कि पूर्व कलेक्टर्स का आगमन जब-जब स्कूल में हुआ उचित मार्गदर्शन और सराहना मिली है। विद्यार्थियों में अनुशासन इस विद्यालय की बड़ी उपलब्धि है। साथ ही शिक्षकों का गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, विद्यालय का व्यवस्थित संचालन विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए प्रेरित करता है। वर्तमान प्राचार्य का कहना है कि यह उपलब्धि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं शिक्षकों के अटूट मेहनत से प्राप्त हुई है। अगले वर्ष शत प्रतिशत परिणाम का लक्ष्य है।

भाजपा अजा मोर्चा द्वारा गौतम बुद्ध जयन्ती का आयोजन

सीधी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव के निर्देशानुसार भाजपा जिलाध्यक्ष सीधी देवकुमार सिंह के मार्ग दर्शन और भाजपा अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा सीधी द्वारा चुरहट विधानसभा के मिश्रीगंवा में गौतम बुद्ध जी की जयंती मनाई इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा सीधी जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य द्वारा गौतम बुद्ध के जीवनी पर प्रकाश डाला गया। और बुद्ध के सत्य अहिंसा के मार्ग को बताया गया। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी गुरुप्रसाद मौर्य, चुरहट मंडल अध्यक्ष अजा मोर्चा अध्यक्ष राजेश कोरी, उपाध्यक्ष राजराखन साकेत, शिवेंद्र वर्मा, लालमणि कोरी, छठिलाल साकेत, राजमणि कुशवाहा, श्यामसुंदर दास, दिलीप साकेत, भागवत साकेत, उमेश कोरी, लालूआ प्रजापति, नीतू कुशवाहा, विमला, श्रीमती कल्लू साकेत, कुशवाहा, श्यामकली कोरी, रीनू कोरी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने कोदो प्रसंस्करण ईकाई का किया निरीक्षण

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएम जामोद ने शनिवार को अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कोहका में आजीविका मिशन के माध्यम से स्व सहायता समूह द्वारा संचालित अमरकंटक कोदो प्रसंस्करण ईकाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने कोदो प्रसंस्करण की प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा प्रंसस्करण कार्य में लगी मषीनों व कोदो से बिस्कुट तैयार करने की प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। इस दौरान कमिश्नर ने कोदो प्रसंस्करण ईकाई को संचालित करने वाली स्व सहायता समूह की सदस्य श्रीमती प्रमिला सिंह एवं अन्य सदस्यों से चर्चा की।चर्चा के दौरान स्व सहायता समहू की सदस्यों ने कमिश्नर को अवगत कराया कि कोदो प्रसंस्करण ईकाई से वर्तमान में कोदो के पैकेट तैयार कर विक्रय किया जा रहा है वहीं कोदो प्रसंस्करण ईकाई में कोदो बिस्केटेस तैयार किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 3 लाख रूपये की शुद्ध बचत हुई थी।

कलेक्टर ने आबकारी उपनिरीक्षक को किया निलंबित

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री तरुण भटनागर ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 (1) के अन्तर्गत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मृत्युंजय ठाकुर, आबकारी उपनिरीक्षक, प्र. अधिकारी विदेशी मदिरा भांडागार जमुआ जिला शहडोल, को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि अंग्रेजी वेयर हाउस (विदेशी मंदिरा भांडागार जमुआ) में ऑनलाईन एवं ऑफ लाइन एन्ट्री में अनियमित्ता पाई गई तथा इस मामले में अभी पीड़िता सामने नहीं आई है, जिससे पुलिस ने नई एफआइआर दर्ज नहीं की है।

सरकारी कालेज की प्राचार्य आबकारी उपनिरीक्षक का निलबंन अवधि में इनका मुख्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, शहडोल रहेगा।

सीधी दुष्कर्म मामले में एक आरोपित ने अन्य युवती से भी दुष्कर्म की बात स्वीकारी

सीधी

सीधी जिले के मझौली थाना क्षेत्र में वाइस एप (आवाज बदलने वाला एप) से महिला की आवाज में छात्राओं को बुलाकर दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार चार आरोपित में एक ने दुष्कर्म का नया मामला भी स्वीकारा है। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि लगभग तीन माह पहले भी उसने एक अन्य युवती से दुष्कर्म किया था।

हालांकि, उसने तब वाइस एप का उपयोग नहीं किया था। की आवाज में सात लड़कियों को बुलाकर दुष्कर्म की बात आरोपितों ने स्वीकारी है।

रीवा के पुलिस महानिरीक्षक महेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया कि आरोपित लड़कियों से मारपीट भी करते थे। इस कारण वह डरी हुई हैं। उनकी मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग भी कराई जा रही है, जिससे उनका डर निकाला जा सके। एक लड़की से आरोपितों ने ज्यादा मारपीट की थी। इस कारण दूसरी लड़कियां भी बहुत ज्यादा डरी हैं। पूरा घटनाक्रम लगभग दो माह के भीतर का है। पूरे मामले की पुलिस मुख्यालय से निगरानी की जा रही है।

डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना रीवा जोन के आइजी, डीआइजी और सीधी के एसपी से बात कर जानकारी ले रहे हैं। एडीजी (महिला सुरक्षा) प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने भी एसपी व अन्य अधिकारियों से बात कर जांच और साक्ष्य संकलन के संबंध में मार्गदर्शन किया है। बता दें कि मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने इस मामले में आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा है। गिरफ्तारी के बाद आरोपितों के घर गिरा दिए गए हैं।

पॉलिथीन के थोक विक्रेताओं पर की गई कार्यवाही

खुले में मांस विक्रय करने वालों के विरुद्ध लगाया गया जुर्माना

शहडोल

कलेक्टर श्री तरूण भटनागर के निर्देशानुसार शहडोल नगरपालिका के अंतर्गत कार्यवाही की गई है। इसी कड़ी में नगरपालिका शहडोल के अंतर्गत प्रतिबंधित पॉलिथीन के थोक विक्रेताओं एवं प्रतिबंधित पॉलिथीन में समान विक्रय करने वाले 10 दुकानदारों के विरूद्ध 3900 रूपये का जुर्माना लगाया गया तथा प्रतिबंधित पॉलिथीन में

समान विक्रय न करने की, दुकानों के सामने डस्टबिन रखने एवं आस-पास स्वच्छ रखने की भी समझाईश नगरपालिका के अधिकारियों द्वारा दुकानदारों को दी गई।

इसी प्रकार कलेक्टर श्री तरूण भटनागर के निर्देषानुसार नगरपालिका शहडोल के अंतर्गत घूमने वाले आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही की जा रही है तथा खुले में घूम रहे आवारा पशुओं को पड़कर के गौशाला भिजवाया गया एवं पशुओं को खुले में छोड़ने वाले पशु मालिकों के विरूद्ध 1000 रूपये का जुर्माना भी लगाया गया है एवं नगरपालिका शहडोल के मैदानी अधिकारियों द्वारा नगरपालिका शहडोल के अंतर्गत खुले में मांस विक्रय करने वाले एवं लाइसेंस न रखने वाले 6 दुकानदारों पर 1000 का चालान भी लगाया गया।

मतगणना कर्मियों का प्रथम रेंडमाईजेशन संपन्न

शहडोल। लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री तरुण भटनागर की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में मतगणना कर्मियों का प्रथम रेंडमाईजेशन संपन्न हुआ।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग, अनु विभागीय अधिकारी राजस्व श्री अरविंद शाह, श्रीमती प्रगति वर्मा, श्रीमती ज्योति सिंह परस्ते, श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे, जिला सूचना अधिकारी श्री अरविंद चौधरी, निर्वाचन सुपरवाइजर श्री संजय खरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कमिश्नर ने निर्माणाधीन कोहका स्टाप डेम का किया निरीक्षण

तेजी से कार्य पूर्ण कराने के दिए निर्देश

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद ने आज अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत कोहका में जोहिला नदी पर मनरेगा योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन स्टाप डेम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने निर्देश दिए कि स्टाप डेम का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण किया जाए। कमिश्नर ने कहा कि कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री एवं उपयंत्री निर्माण कार्यों की निरंतर मॉनिटर करें तथा निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित कराएं।

कमिश्नर ने यह भी निर्देश दिए की नदियों में स्टाप डैम निर्माण के दौरान उच्च तकनीकी का उपयोग सुनिश्चित किया जाए?। कमिश्नर ने कहा कि उपयंत्री एवं सहायक यंत्री निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए राज मिस्त्रियों के भरोसे ना रहे, बल्कि स्वयं निर्माण कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करें एवं लेआउट डालने का कार्य एवं फिनिशिंग का कार्य अपनी निगरानी में कराएं। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ श्री सुधाकर सिंह बघेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ श्री गणेश पांडेय भी उपस्थित रहे।

जिला आबकारी अधिकारी को कलेक्टर ने जारी किया कारण बताओं नोटिस

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री तरुण भटनागर ने जिला आबकारी अधिकारी शहडोल श्री सतीश कश्यप को विदेशी एवं देशी मंदिरा भांडागार में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन एन्ट्री में भिन्नता पाए जाने पर कारण बताओं नोटिस जारी किया है। जारी कारण बताओं नोटिस में कहा गया है कि विदेशी/देशी मंदिरा भांडागार शहडोल के निरीक्षण के दौरान अंग्रेजी एवं देशी वेयर हाउस के ऑनलाईन एवं ऑफलाइन स्टाक में भिन्नता पाई गई। वेयर हाउस के अभिलेख संधारण में पाई गई अनियमिताओं से स्पष्ट होता है कि आपके द्वारा विदेशी/देशी मदिरा वेयर हाउस का नियमित तौर पर निरीक्षण नही किया जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि आप अपने पदीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाह एवं उदासीन है। आपका उपरोक्त कृत्य म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के तहत उल्लंघन की श्रेणी में आता हैं, जो दण्डनीय हैं। उक्त अनुशासनहीनता एवं लापरवाही के कृत्य के लिए क्यो न मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियन्त्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत आपके विरूध्द कार्यवाही प्रस्तावित की जावें। उपरोक्त के सबंध में अपना जवाब पत्र प्राप्ति के 03 (तीन) दिवस के अन्दर अनिवार्य रूप से प्रेषित करें। समयावधि में जवाब प्राप्त न होने पर यह माना जावेगा कि आपको उक्त के सबंध में कुछ नही कहना है, यह मानते हुए आपके विरूध्द एकपक्षीय कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।

कमिश्नर ने कन्या शिक्षा परिसर में निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्षों का किया निरीक्षण

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री वीएस जामोद ने आज अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड के कन्या शिक्षा परिसर में लगभग 34 लख रुपए की लागत से निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्षों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने निर्माणाधीन कक्षों में सीलिंग कार्य को तकनीकी रूप से ठीक नहीं करने पर नाराजगी व्यक्ति की। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि निर्माणाधीन कक्षों का उपयंत्री और सहायक यंत्री की उपस्थिति में सीलिंग का कार्य ठीक कराएं। इस दौरान कमिश्नर ने सभी कक्षों का निरीक्षण किया तथा मजदूरों से चर्चा भी की । निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ श्री सुधाकर सिंह बघेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ श्री गणेश पांडेय भी उपस्थित रहे।

शिक्षक, छात्रों की अभिरुचि कि करें पहचान : कमिश्नर

छात्रों को पढ़ा-लिखा कर आत्मनिर्भर बनाना शिक्षक का उद्देश्य

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद ने शहडोल संभाग के शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि शिक्षक एक अच्छे समाज का सूत्रधार एवं निर्माता होता है। उन्होंने कहा कि शहडोल संभाग को अगर शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है तो इसमे शिक्षक को संपूर्ण योगदान देने की आवश्यकता होगी। शहडोल संभाग के शिक्षक अपने-अपने विद्यालय में उपस्थित छात्रों को संपूर्ण समर्पण एवं निष्ठा भाव से शिक्षा दिलाएंगे तो इसका परिणाम अवश्य ही शहडोल संभाग को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी लाना हो सकता है। उन्होंने शहडोल संभाग के शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि शिक्षक अपने धर्म का पूर्ण निर्वहन करें एवं छात्रों को शिक्षा प्रदान कर उनको उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर करें। कमिश्नर

शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद आज अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ के कन्या शिक्षा परिसर में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कमिश्नर ने कहा कि शिक्षक का मूल कर्तव्य होता है कि वह छात्रों को पढ़ा लिखा कर आत्मनिर्भर बनाएं। उन्होंने कहा कि छात्र पढ़ लिखकर आत्मनिर्भर बने एवं उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर हो शिक्षक इस उद्देश्य से शिक्षा दिलाना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि अपने पास सर्वश्रेष्ठ शिक्षक हैं, स्कूलों में छात्रों के लिए किताबें, मध्यान्ह भोजन, गणवेश, साइकल, स्कॉलरशिप, छात्रावास जैसी अन्य अच्छी सुविधाएं हैं, इसके बावजूद पालक अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए प्राइवेट शिक्षण संस्थाओं में एडमिशन दिलाते हैं। कमिश्नर ने कहा है कि हम सबको मिलकर यह प्रयास करना है की वे भी हमारे शासकीय विद्यालय में प्रवेश दिलाएं। हमें विद्यालय को आकर्षक एवं आनंद दायक वातावरण निर्मित करना होगा और शिक्षण संस्थानों को आनंद शालाएं बनाना होगा।उन्होनें कहा कि शिक्षक पूरी लगन, मेहनत एवं पूर्ण आस्था के साथ बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने का प्रयास करें। उन्होनें कहा कि कोई भी छात्र किसी से कम नहीं होता है, शिक्षक बच्चों की अभिरुचि को पहचाने कोई बच्चा खेल में अच्छा है, कोई साहित्य में, कोई योगा में, कोई वाद्य यंत्र बजाने में, कोई डॉक्टर या इंजीनियर बनने की इच्छा रखता है। शिक्षक छात्रों की रूचि को समझें और रूचि अनुसार छात्रों को आगे बढ़ानें का प्रयास करें। कमिश्नर ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का विशेष योगदान प्राइमरी शिक्षक का होता है उन्होंने कहा कि प्राइमरी शिक्षक बच्चों में शिक्षा का आधार गढ़ता है। प्राइमरी शिक्षक पूर्ण रूप से अपने शिक्षक धर्म का पालन कर छोटे बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा दिलाने का प्रयास करें जिससे उन्हें अगली कक्षा में शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिल सके। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों से कहा कि आप इस उन्मेष कार्यक्रम से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कार्य क्षेत्र में पूरी लगन, ऊर्जा एवं प्लान के साथ कार्य करें एवं कार्य करके सकारात्मक परिणाम लाने का प्रयास करें।

संपादकीय

वन्यजीवों के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही चिंता का विषय

मुंबई के एक पक्षी विहार इलाके में कथित रूप से हवाई जहाज की चपेट में आकर चालीस राजहंस यानी फ्लेमिंगो की मौत हो गई। इसे लेकर पक्षी और पर्यावरण प्रेमियों में रोष स्वाभाविक है। मगर यह समझना थोड़ा मुश्किल है कि इतने राजहंस किसी विमान की चपेट में आए कैसे। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि राजहंसों का झुंड मुंबई से गुजरात लौट रहा था और विमान की चपेट में आ गया। अगर इसमें सच्चाई है, तो यह न केवल उस पक्षी विहार में विचरने वाले राजहंसों के लिए खतरे की बात है, बल्कि उस तरफ से गुजरने वाले विमानों के लिए भी गंभीर खतरा है। आमतौर पर हवाई अड्डों के आसपास के इलाकों में पंछियों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। हवाई पट्टियों के आसपास पंछियों को भगाने के लिए लगातार पटाखे चलाए जाते हैं। हवाई जहाजों के लिए पंछी सबसे खतरनाक माने जाते हैं। अगर कोई पंछी किसी विमान के डैनों से टकरा जाए या उसके प्रोपेलर के भीतर चला जाए तो विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा रहता है। इसलिए हवाई अड्डों के आसपास पंछियों के आवागमन पर हर समय नजर रखी जाती है। यों हवाई पट्टी से उठने के बाद विमान कुछ सेकेंड के भीतर ही इतनी ऊंचाई ले लेते हैं, जहां तक पंछियों की उड़ान क्षमता नहीं होती। यही नियम विमान उतरते समय भी लागू होता है। राजहंसों की उड़ान कुछ ऊंची जरूर होती है, मगर इतनी ऊंची नहीं कि वे हवाई उड़ान की परिधि को छू लें। फिर हैरानी की बात है कि मुंबई हवाई यातायात प्रबंधन से जुड़े लोगों को इस बात की आशंका क्यों नहीं थी कि उस इलाके में उड़ते हुए राजहंसों का झुंड पहुंच सकता है। गनीमत है, कोई हादसा नहीं हुआ। मगर इस मामले में दूसरी आशंकाओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि पक्षी विहार के प्रबंधन में ही कोई खामी हो या पक्षी किसी बीमारी की चपेट में न आ गए हों।

आरक्षण पर अदालत से दो-दो हाथ को तैयार बंगाल सरकार

वर्ष 2010 के बाद जारी अन्य पिछड़ी जाति (ओबीसी) प्रमाणपत्रों को रद्द करने के हाईकोर्ट के ताजा फैसले के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा अदालत पर भी टिप्पणी की है। उन्होंने इसे भाजपा व प्रधानमंत्री को खुश करने के लिए किया गया फैसला बताया है। अदालत के ताजा फैसले से करीब पांच लाख लोगों के प्रभावित होने का अंदेशा है। राज्य में छठे और सातवें दौर के मतदान से पहले आए इस अदालती फैसले से राज्य सरकार को करारा झटका लगा है। इससे पहले बीते महीने ही हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में करीब 26 हजार शिक्षकों की भर्ती रद्द कर दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उस पर अंतरिम रोक लगा दी है, पर उन हजारों लोगों का भविष्य अनिश्चित ही है। अब ओबीसी आरक्षण पर ताजा फैसला ही राज्य में सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया है। इसके बाद भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस की कथित मुस्लिम तुष्टिकरण नीति के लिए उसको कठघरे में खड़ा किया है, तो प्रधानमंत्री मोदी ने इसे विपक्षी गठबंधन के चेहरे पर करारा थप्पड़ बताया है। सीपीएम और कांग्रेस ने भी अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि ममता सरकार ने अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए ओबीसी के नाम पर अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने का जो फैसला किया था, उसे अदालत ने गैर-कानूनी बताते हुए रद्द कर दिया है।

(प्रभाकर मणि त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार)

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के दो फैसलों से लगे झटके के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी न्यायपालिका से दो-दो हाथ करने के मूड में नजर आ रही हैं। वर्ष 2010 के बाद जारी अन्य पिछड़ी जाति (ओबीसी) प्रमाणपत्रों को रद्द करने के हाईकोर्ट के ताजा फैसले के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा अदालत पर भी टिप्पणी की है। उन्होंने इसे भाजपा व प्रधानमंत्री को खुश करने के लिए किया गया फैसला बताया है। अदालत के ताजा फैसले से करीब पांच लाख लोगों के प्रभावित होने का अंदेशा है।

राज्य में छठे और सातवें दौर के मतदान से पहले आए इस अदालती फैसले से राज्य सरकार को करारा झटका लगा है। इससे पहले बीते महीने ही हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में करीब 26 हजार शिक्षकों की भर्ती रद्द कर दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उस पर अंतरिम रोक लगा दी है, पर उन हजारों लोगों का भविष्य अनिश्चित ही है। अब ओबीसी आरक्षण पर ताजा फैसला ही राज्य में सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया है। इसके बाद भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस की कथित मुस्लिम तुष्टिकरण नीति के लिए उसको कठघरे में खड़ा किया है, तो प्रधानमंत्री मोदी ने इसे विपक्षी गठबंधन के चेहरे पर करारा थप्पड़ बताया है। सीपीएम और कांग्रेस ने भी अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि ममता सरकार ने अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए ओबीसी के नाम पर अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने का जो फैसला किया था, उसे अदालत ने गैर-कानूनी बताते हुए रद्द कर दिया है। इस तरह, सरकार लाखों लोगों के भविष्य के साथ खिलवाड़ की दोषी है।

दरअसल, इस मामले की शुरुआत वर्ष 2010 में तत्कालीन वाम-मोर्चा सरकार के आखिरी दिनों में हुई थी। सरकार ने जनजातियों के चयन का काम पिछड़ा वर्ग आयोग को सौंपा था, पर उसकी अंतिम रिपोर्ट आने से पहले ही उसने 43 जातियों को ओबीसी की सूची में शामिल करने का फैसला किया था। तब इसके लिए ओबीसी में दो वर्ग-ओबीसी-ए और ओबीसी-बी बनाए गए थे। इनमें दस फीसदी आरक्षण ग्रुप-ए में शामिल अति पिछड़ी जातियों को मिलना था। उनमें ज्यादातर मुस्लिम थे। बाकी सात फीसदी आरक्षण के दायरे में वे जातियां शामिल थीं, जो वर्ग-ए में शामिल जातियों के मुकाबले कम पिछड़ी थीं, पर इससे संबंधित विधेयक

को राज्यपाल की सहमति नहीं मिलने के कारण सरकार इसे कानूनी दर्जा न दे सकी थी। बाद में वह सरकार सत्ता से बाहर हो गई। वर्ष 2011 में ममता सरकार के सत्ता में आने के बाद अगले वर्ष 35 जातियों को ओबीसीमें शामिल किया गया, जिनमें से ज्यादातर मुस्लिम थीं।

अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि 8 फरवरी, 2010 को तत्कालीन वाम-मोर्चा सरकार ने मुस्लिमों के लिए 10 फीसदी आरक्षण का एलान किया था। उसके छह महीने के भीतर तत्कालीन पिछड़ा वर्ग आयोग ने 42 जातियों को ओबीसी की सूची में शामिल करने की सिफारिश की, जिनमें से 41 मुस्लिम जातियां थीं, सरकार ने उस सिफारिश को मंजूरी दे दी थी। उसके बाद 11 मई, 2012 को ममता सरकार ने और 35 जातियों को उस सूची में शामिल कर दिया। अदालत का कहना है, इस मामले में कानूनी प्रावधानों का पालन नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि वह इस फैसले को स्वीकार नहीं करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि न्यायपालिका के प्रति उनकी श्रद्धा है, पर हर जगह अच्छे-बुरे लोग होते हैं। हाईकोर्ट का कोई जज इस्तीफा देकर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहा है, तो कोई रिटायरमेंट के दिन कहता है कि वह तो शुरू से ही आरएसएस का सदस्य रहा है, इससे समझा जा सकता है कि उनके फैसलों पर किसका असर रहा होगा।

ममता ने आरोप लगाया है कि भाजपा इस फैसले के जरिये पिछड़े मुसलमानों का आरक्षण खत्म करना चाहती है। अभी राज्य में आखिरी दो चरणों में जिन सीटों पर मतदान होना है, वहां अल्पसंख्यक और अन्य पिछड़ी जातियों के मतदाताओं की खासी तादाद है। यही वजह है कि ममता इस मुद्दे पर काफी आक्रामक नजर आ रही हैं। अवमानना की परवाह किए बिना वह न्यायपालिका से भी टकराव की राह पर बढ़ती नजर आ रही हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

ग्रीष्मकालीन अवकाश कर सकते हैं छात्रों के शारीरिक व बौद्धिक विकास सुनिश्चित

विजय गर्ग

नवोन्मेषी और शैक्षिक गतिविधियों में संलग्न होकर, बच्चे अपनी गर्मी की छुट्टियों का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं और शारीरिक और बौद्धिक विकास सुनिश्चित कर सकते हैं स्कूली छात्र गर्मी की छुट्टियों के आगमन का बड़े उत्साह के साथ इंतजार करते हैं। वह अवधि भी एक छात्र के जीवन के सबसे सुखद चरणों में से एक है। यह भी जरूरी हो जाता है कि इस समय माता-पिता अपने बच्चों के समय की कीमत को पहचानें। उन्हें इस बात की चिंता होने लगती है कि उन दिनों के दौरान वे अपने बच्चे को अपने समय का बुद्धिमानी से उपयोग कैसे करने देंगे। इसके विपरीत, बच्चे उन महीनों में ऊर्जा और प्रत्याशा से भरे होते हैं। हालाँकि, कामकाजी माता-पिता के लिए यह परेशानी भरा हो जाता है यदि उनके बच्चे छोटे और अत्यधिक ऊर्जावान हों। उनकी दैनिक निर्धारित गतिविधियाँ अनियंत्रित हो जाती हैं, जिससे माता-पिता के लिए अपने बच्चों को सार्थक गतिविधियों में शामिल करना कठिन हो जाता है। हालाँकि गर्मी की छुट्टियों का मतलब हर किसी के लिए अलग-अलग होता है, लेकिन गर्मियों में सीखने के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यह बच्चों के शारीरिक और शैक्षणिक स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण घटक है। केवल 60 दिनों की गर्मी की छुट्टियों के साथ, हर दिन एक बच्चा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण में भाग नहीं लेता है जो एक झटके का प्रतिनिधित्व करता है।

साक्षी भाव में रहें, आनंद में जीवन जिएं

(सुंदरचंद ठाकुर)

हमारे दिमाग में बहुत से विचार आते ही रहते हैं। अगर वैज्ञानिकों की मानें, तो एक व्यक्ति के दिमाग में एक दिन में करीब 60 हजार विचार आते हैं। निस्संदेह इनमें से कुछ विचार आपके जीवन को चलाने के लिए, उसे प्रगति की राह पर ले जाने के लिए होते हैं, लेकिन ज्यादातर विचार बेसिर पैर के होते हैं। उनका अस्तित्व इतना ही होता है कि वे आते हैं और चले जाते हैं। अगर आपने इन विचारों से डील करने के अपने अनुभवों से कुछ सीखा है, तो आप इन्हें तवज्जो नहीं देते क्योंकि आपको पता है कि ये आपके किसी काम के नहीं। लेकिन बहुत से लोग दिमाग में आने वाले विचारों से खुद को जोड़ लेते हैं। वे जब विचारों से जुड़ते हैं, तो उनसे जुड़े इमोशंस से भी जुड़ ही जाते हैं क्योंकि हर विचार अपनी पूंछ में कोई न कोई इमोशन बांधे हुए आता है। हर इमोशन से हमारा कोई न कोई भरोसा जुड़ा होता है। इसलिए अमूमन होता यह है कि जब भी हम किसी विचार के साथ अपना तार जोड़ते हैं , तो धीरे-धीरे उसके साथ-साथ हम अपने इमोशनल भरोसों की दुनिया में भी उतरते चले जाते हैं। जितना ज्यादा हम विचार को पकड़ते हैं, वह उतने गहरे इमोशन और भरोसे के साथ हमारे भीतर उतरता चला जाता है। एक सीमा के बाद वह हमारे इतना भीतर समा जाता है कि हम चाहकर भी उससे अलग नहीं हो पाते। यहीं से दुख की शुरुआत होती है। इसी दुख से बचने के लिए बड़े-बड़े संत, महापुरुष हमें सिखाकर गए हैं कि आसक्ति के साथ नहीं बल्कि साक्षी भाव के साथ जीवन जिएं, तभी आपके जीवन में प्रगति होगी, तभी आप आनंद में जी सकेंगे।

साक्षी भाव में कैसे रहें: साक्षी भाव में रहने का मतलब है कि आप दिमाग में आ रहे विचारों और उन विचारों की वजह से शरीर में जन्म ले रहे

इमोशंस को उनकी गिरफ्त में आए बिना देख पाते हैं, उन्हें ऑब्जर्व कर पाते हैं, जबकि अगर आप साक्षी भाव में नहीं रहते, तो आप विचार ही बन जाते हैं, आप इमोशन ही बन जाते हैं। उनसे अलग नहीं हो पाते। मसलन अगर आप साक्षी भाव में रहना नहीं सीखे हैं, तो जब भी आपको गुस्सा आएगा आप कहेंगे- मैं गुस्से में हूं। आप गुस्से में हैं का मतलब हुआ कि आप ही गुस्सा हो गए हैं। इसलिए जब भी आप गुस्से में कोई गलत काम कर देते हैं, तो बाद में आप कहते हैं मैं अपने आपे में नहीं था, मैं गुस्से में था। यानी गुस्से ने आपका कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया था। जब आप साक्षी भाव में रहना सीख लेते हैं और तब अगर आपको गुस्सा आता है, तो आप कहेंगे- मैं गुस्सा अनुभव कर रहा हूं। यानी तब आप गुस्सा ही नहीं बन जाते। आप अलग हो और गुस्सा अलग है। जब हम साक्षी भाव में रहते हैं, तो अपने विचारों और इमोशंस को अपने अस्थायी एक्सपीरियंस के रूप में देखने लगते हैं क्योंकि हमें पता होता है कि जब तक विचार है, इमोशन भी तब तक ही है। जैसे ही विचार चला जाता है, इमोशन भी अपने आप चले जाता है। पर सवाल यह है कि साक्षी भाव में रहा कैसे जाए। यहां मैं तीन तरीके बता रहा हूं।

पहला - मेडिटेशन का अभ्यास

अगर आप रोज 10 मिनट भी माइंडफुलनेस मेडिटेशन का अभ्यास करें, तो आप धीरे-धीरे अपना साक्षी भाव विकसित करने लगेंगे। आपको सिर्फ शांत बैठकर अपनी सांस पर ध्यान देना है और मन में आने वाले विचारों व उनकी वजह से पैदा होने वाले इमोशंस को बिना किसी जजमेंट के देखना है।

दूसरा - विचारों और इमोशंस को लेबल करेंज

मेडिटेशन के अभ्यास से जब आप थोड़ा बोध में रहने लगें तो आपे विचारों और इमोशंस को नोटिस करना शुरू करें और उन्हें लेबल दें। जैसे आप अगर चिंतित महसूस करते हैं, तो अपने मन में नोट करें यहां चिंता है। जहां गुस्सा है वहां नोट करें, यहां गुस्सा है। यह प्रैक्टिस आपको धीरे-धीरे अपने एक्सपीरियंस से दूरी बनाने और इसे एक क्षणिक स्थिति के रूप में जानना शुरू कर देगा।

तीसरा- नियमित चेकिंग करें

दिन भर में कुछ-कुछ अंतराल के बाद सजग होकर खुद से पूछें कि मैं अभी क्या सोच रहा हूं? क्या महसूस कर रहा हूं? यह अभ्यास आत्म-जागरूकता लेकर आता है और आपको वर्तमान पल से जोड़े रखता है। तरीके और भी हैं, लेकिन इन तीन तरीकों का भी अगर नियमित अभ्यास करेंगे, तो जल्दी ही आप अपने मन में उठने वाले विचारों और इमोशंस के प्रति जागरूक हो जाओगे और ऐसा होने से जीवन को बेहतर जी सकोगे।

ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

वर्ग पहेली 5382

1	2	3		4		5	■
6			■		■	7	8
■		■	9		10	■	
11		■	12			■	
	■	13		■	■	14	■
15		■	16		17		■
	■	18		■	19		
■	20		■	21			■

संकेत: बाएं से दाएं
1. इंदौर नगर के इतिहास में प्रथम समाचार पत्र होने का गौरव इस अखबार को है जो कए साप्ताहिक था उसका प्रथम अंक 6 मार्च 1849 को प्रकाशित हुआ था (7)
6. कंठ, गले की नली (3)
7. जगत, संसार, दुनिया, जग (2)
9. गोद, अंक,क्रोड, बगल (3)
11. कनक, धतूरा, स्वर्ण (2)
12. आवेश, उन्माद (3)
13. यह बांग्लोदश में बूढी गंगा के तट पर देश का सबसे बड़ा शहर है (2)
15. असम के पहाड़ी क्षेत्र में स्थित जंगल जाति, अनुपस्थितती, गैर हाजिरी (2)
16. जिसके पांच मुख हो, पंचमुखी (4)
18. पक्षी, नभचारी, गगनचर (2)
19. हिंदी साहित्य में एक अलंकार जिसमें कोई दो या दो अधिक बार आए और प्रत्येक बार उसके भिन्न अर्थ हो (3)
20. गज, कंजर, मतंगत (2)
21. श्रृंगार, सजावट, शोभा, श्री (3)

ऊपर से नीचे(2)
1. मास, महीना, तीस दिनों का समय (2)
2. तीव्र अभिलाषित होना, उत्कंठित होना (4)
3. वाक्य का अपभ्रंश (2)
4. पश्चिमी निमाड़ का प्रसिद्ध जिला (4)
5. भास्कर, दिनपति, दिवाकर, सूरज (2)
8. सांस लेने छोड़ने की एक जैविक क्रिया (3)
9. निर्देशक मोहनकुमार की राजेंद्र कुमार वैजयंती माला अभिनीत 1961 की एक हिट फिल्म (5)
10. वह राजा जिसके नाम से कोई संवत चले वहम, संदेह (2)
11. गुजरा में द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक जो पश्चिमी तट पर प्रभाष क्षेत्र में स्थित है (4)
14. लोकमत, जनता की राय (4)
17. चक्षु, नेत्र, आंख (3)
18. पथघर, अनुगामी, यात्री, राहगीर (2)

वर्ग पहेली 5381 का हल

गु	ल	जा	री	ला	ल	नं	दा
ल	■	पा	ना	■	गा	■	ता
फा	गु	न	■	आ	ना	■	■
म	म	■	म	■	बु	झा	न
■	रा	ज	द	■	झा	■	ह
वा	ह	■	र	■	ना	पा	क
प	■	आ	सा	र	■	र	■
स	ह	ज	■	■	न	सी	म

ताइवान स्ट्रेट में सैन्याभ्यास, चीन के क्या हैं इरादे?

(उत्कर्ष गहरवार)

ताइवान को चीन अपना हिस्सा मानता है। वह कह चुका है कि अगर जरूरत पड़ी तो बलपूर्वक भी चीन उस पर कब्जा कर लेगा। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी स्पष्ट कर चुके हैं कि ताइवान को चीन में मिलाने के काम को अनिश्चित काल तक टाला नहीं जा सकता। चीन ने ताइवान स्ट्रेट में अचानक दो दिनों का युद्धाभ्यास करके न केवल ताइवान को कड़ा संकेत दिया है बल्कि इस पूरे क्षेत्र की संवेदनशीलता को फिर से रेखांकित कर दिया है। युद्धाभ्यास का मकसद खुद चीनी सेना ने इस द्वीप की सत्ता पर कब्जा करने की अपनी क्षमता जांचना बताया है।

टाइमिंग का सवाल: युद्धाभ्यास ऐसे समय किया गया, जब ताइवान में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने सत्ता संभाली ही है। लाई ताइवान में स्वायत्त नीतियों के पक्षधर माने जाते रहे हैं और चीन उन्हें खतरनाक अलगाववादी बताता रहा है। युद्धाभ्यास के पीछे भी तात्कालिक कारण सोमवार को पद संभालने के बाद दिए गए उनके पहले भाषण को माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने चीन से कहा था कि वह ताइवान को डराने-धमकाने की नीति से बाज आए।

एकीकरण की मंशा: ताइवान को चीन अपना हिस्सा मानता है। वह कह चुका है कि अगर जरूरत पड़ी तो बलपूर्वक भी चीन उस पर कब्जा कर लेगा। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी स्पष्ट कर चुके हैं कि ताइवान को चीन में मिलाने के काम को अनिश्चित काल तक टाला नहीं जा सकता। दूसरी तरफ, ताइवान लोकतांत्रिक देश है और वहां के ज्यादातर लोग कम्युनिस्ट चीन के साथ जाने को तैयार नहीं हैं। वहां चीन विरोधी मानी जाने वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी लगातार तीसरी बार चुनाव जीत कर सत्ता में आई है।

अमेरिकी से बढ़ती करीबी: यह बात भी सही है कि अमेरिका समेत दुनिया के ज्यादातर देश वन चाइना पॉलिसी के तहत ताइवान को चीन का हिस्सा मानते हैं। फिर भी ताइवान से अनौपचारिक तौर पर इन देशों के करीबी संबंध हैं। हाल के वर्षों में चीन की बढ़ी हुई आक्रामकता के मद्देनजर यह करीबी बढ़ी है। खासकर अमेरिका ने यहां न केवल हथियारों की सप्लाई बढ़ाई है बल्कि कई उच्चस्तरीय राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल भी भेजे। इस पर चीन अपनी नापसंदगी जाहिर करता रहा है।

ज्यादा बड़ा, ज्यादा व्यापक: चीन पहले भी इस क्षेत्र में युद्धाभ्यास के जरिए अपना असंतोष प्रकट करता रहा है, लेकिन इस बार का युद्धाभ्यास पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़ा और व्यापक माना जा रहा है। कई जानकारों का कहना है कि इसके जरिए चीन ताइवान और उसके मित्र देशों को यह दिखाना चाहता है कि वह इस द्वीप पर जब चाहे कब्जा कर सकता है।

सेमीकंडक्टर केंद्र: संकेत गंभीर इसलिए है कि ताइवान सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिहाज से तो दुनिया के लिए अहम है ही, एक प्रमुख व्यापारिक मार्ग के रूप में भी ताइवान स्ट्रेट महत्वपूर्ण है। ऐसे में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ना या किसी तरह से संघर्ष की स्थिति बनना खतरनाक साबित होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस क्षेत्र में किसी तरह का तनाव या संघर्ष भड़कने की आशंका के खिलाफ सचेत किया है।

आज का राशिफल

मेष

आज आपका कोई रुका पूर्ण होने मन प्रस?न होगा और आपको लाभ होगा। आपका विश्वास धर्म एवं आध्यात्म में बढ़ेगा। बेहतर होगा कि रोजमर्रा के काम में लापरवाही न करें वरना आपको गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कोताही न बरतें।

वृषभ

आज करियर के मामले में लाभ होगा। आप यदि एक व्यापारी हैं तो आज अनावश्यक अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। सरकारी नौकर हैं तो वरिष्ठ अधिकारी आप पर क्रोधित हो सकते हैं। शाम के वक?त आपको सामाजिक मामलों में लाभ होगा।

मिथुन

आज लाभ का दिन है। आपके लिए आज नौकरी और व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे हल हो जाएंगे। कोई भी व्यवसाय छोटा बड़ा नहीं होता, लेकिन आपको मेहनत करने से सफलता मिलेगी। परिजनों के साथ हास परिहास में समय बीतेगा।

कर्क

आज भाग?य में वृद्धि का दिन है और आज आप अपने ही काम में लगे रहेंगे। किसी भी विरोधी की आलोचना की तरफ ध्?यान न दें तो आपके लिए अच?छा होगा। अपना काम करते रहें। आगे चलकर सफलता आपके कदम चूमेगी।

सिंह

आज हर कार्य में सफलता मिलेगी और भाग?य आपका साथ देगा। बेहतर होगा कि आप बिना वजह की चिंता से दूर होकर अपने काम पर ध्?यान दें। आज दूसरों के मामले में बोलने से बचें, वरना आपको लेने के देने पड़ सकते हैं।

कन्या

आज हर काम सावधानी से करने की जरूरत है। जरा सी लापरवाही से आपको नुकसान हो सकता है। रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति में भी क्रोध पर काबू रखना सीखें। घर गृहस्थ की समस्या सुलझ जाएगी। राजकीय मदद भी मिलेगी।

तुला

आज करियर में लाभ होगा और आपके पद व अधिकार में वृद्धि होगी। समस्याओं के समायोचित समाधान न मिलने से मानसिक अशांति दूर होगी और आपको लाभ होगा। आपके लिए दूर और पास की यात्रा के योग बने हैं। व्यवसायिक मामलों में आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

धनु

आज का दिन कुछ मिलाजुला रहेगा और आज हर मामले में सावधानी से काम करें। किसी बड़े अधिकारी से अनबन होने से आपका नुकसान हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण बनाए रखें। नए संबंध से भाग्य चमकेगा। सामाजिक सम्मान मिलेगा। आज किसी काम से मित्रों के साथ आपको जाना पड़ सकता है।

कुंभ

आज का दिन सफलता से भरा होगा और आपको लाभ होगा। वाहन और भूमि खरीदने की दिशा में काम कर सकते हैं। आपके लिए स्थान परिवर्तन के सुखद संयोग भी बन सकते हैं। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी और आप कोई प्रिय वस्तु खरीद सकते हैं।

वृश्चिक

आज लाभ होगा और आपको कुछ कर दिखाने की धुन सवार रहेगी। अधिकारी वर्ग से अच्छी साठ-गांठ बनेगी। किसी सरकारी संस्था से आपको लाभ होगा। निराशाजनक विचारों से बचें। सायंकाल संतान पक्ष से अचानक शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर

आज का दिन आपके जीवन में निराशा बढ़ाने वाला हो सकता है। वरिष्ठ अधिकारियों से प्रतिकूलता हो सकती है और दाम्पत्य जीवन में कठिनाइयों का सामना आपको करना पड़ेगा। पराक्रम में होने से शत्रुओं का मनोबल टूटेगा। दिन के उत्तरार्ध में आपको अचानक से लाभ होगा।

मीन

आज धन में वृद्धि के योग बन रहे हैं और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आज का दिन संतान से जुड़ी समस्याओं को हल करने में बीतेगा और उनके करियर के मामले में किसी से सलाह ले सकते हैं। किसी कम्पटिशन में आपकी जीत हो सकती है। किसी खास उपलब्धि से भी आपका मन प्रसन्न रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

जज का चोरी हुआ कुत्ता नहीं खोज पाई पुलिस, लखनऊ तक पहुंचा मामला, शासन ने मांगी रिपोर्ट

बरेली, एजेंसी। यूपी के बरेली में जज का कुत्ता गायब करने का मामला तूल पकड़ रहा है। अब तक उसके बारे में पुलिस कोई जानकारी नहीं लगा सकी है और मामला शासन तक पहुंच गया है। इसको लेकर शासन ने पूरी रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, जज की पत्?नी ने पड़ोसी दंपती और 12-14 अज्ञात लोगों के खिलाफ कुत्ता चोरी करने और बेटियों को धमकाने आदि कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। सनसिटी में रहने वाले हरदोई में तैनात सिविल जज विशाल दीक्षित का कुत्ता 18 मई को लापता हो गया था। इस मामले में उनकी पत्नी ने थाना इज्जतनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें कॉलोनी के ही डंपी अहमद और उसके साथियों को आरोपी बनाया गया है। रिपोर्ट में उन्होंने कहा कि कुत्ते के हमलावर होने का बहाना करके डंपी ने 16 मई को अभद्रता की थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से ही पुलिस जज के कुत्ते और डंपी की तलाश में जुटी है। मगर न तो पुलिस को कुत्ता मिला और न ही डंपी की कोई जानकारी मिली। इस वजह से इज्जतनगर पुलिस की चिंता बढ़ी हुई है। वहीं दूसरी ओर यह मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। मीडिया में सुर्खियां बनने के बाद उत्तर प्रदेश शासन और पुलिस मुख्यालय से इज्जतनगर पुलिस से पूरे घटनाक्रम की बिंदुवार जानकारी की गई है।

दिल्ली में बैठकर खिलाते थे क्रिकेट का सट्टा, छत्तीसगढ़ पुलिस ने किया 5 लोगों को गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी। दिल्ली में किराए के फ्लैट में रहते हुए छत्तीसगढ़ में सट्टा खिलाने वाले पांच आरोपियों को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह सभी आरोपी रेड्डी अन्ना, आर 555 आईडी पैनल के माध्यम से सट्टा लगवाने का काम कर रहे थे। पुलिस ने इस मामले में अलग-अलग खातों से करोड़ों के ट्रांजैक्शन का हिसाब-किताब को जब्त किया है। इन सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने सभी अकाउंट को फीस करने की कार्रवाई कर रही है। छत्तीसगढ़ पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों के पास से चार लैपटॉप, 15 मोबाइल फोन, 22 एटीएम कार्ड, 6 पासबुक, एक कैलकुलेटर, एक वाई-फाई राउटर सहित 4 लाख कैश को बरामद किया है। छत्तीसगढ़ पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। बता दे कि छत्तीसगढ़ पुलिस लगातार सट्टा को लेकर कार्रवाई कर रही है। इस पूरे मामले को लेकर अब तक एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने साल 2024 में आईपीएल मैच में सट्टा खिलाने के आरोप में 10 प्रकरणों में 67 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी से अब तक 110 करोड़ के लेनदेन होना पाया गया है। छत्तीसगढ़ पुलिस ने इस पूरे सट्टे मामले को लेकर गोवा, पुणे, पश्चिम बंगाल, मुंबई और दिल्ली में रेड मारकर आरोपियों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई कर चुकी है।

पति लाया 60 तरह की नेल पॉलिश, सास ने लगाई तो बहू नाराज, बोलीं- अब वो सास के साथ नहीं रहेगी

आगरा, एजेंसी। आगरा में एक सास ने अपनी बहू की नेल पॉलिश लगा ली। बहू ने इस बात का विरोध किया तो परिवार में विवाद हो गया। नाराज बहू परिवार से झगड़कर मायके चली गई। बहू ने पति और ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न की शिकायत कर दी। इस मामले में परिवार परामर्श केंद्र पर शनिवार को दोनों पक्षों को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था। महिला ने कहा कि वो समझौते के बाद पति के साथ रहने को तैयार है मगर उसकी शर्त है कि वो सास के साथ नहीं रहेगी। उसने कहा कि सास उसका उत्पीड़न करती है। पति का कहना है कि विवाद सिर्फ नेल पॉलिश लगाने का है। दोनों पक्षों को अगली तारीख पर बुलाया गया है। जानकारी के मुताबिक रकाबगंज निवासी युवक की शादी वर्ष 2021 में शाहगंज क्षेत्र निवासी युवती से हुई थी। पत्नी को नेल पॉलिश लगाने का शौक है। पति ने काउंसलर को बताया कि उसने शौक के चलते अपनी पत्नी को 60 तरह की नेल पॉलिश लाकर दी थी। एक खत्म हो जाती थी तो दूसरे दिन ही नई ले आता था। एक दिन मां ने उसकी पत्नी की नेल पॉलिश लगा ली। पत्नी ने इसी बात पर घर में बखेड़ा खड़ा कर दिया। मां से झगड़ा करने लगी। उसने पत्नी को समझाया कि मामूली बात है। वह नई ला देगा। मां ने लगा तो क्या हुआ। लेकिन पत्नी नहीं मानी और नाराज होकर चली गई। पत्नी ने यह आरोप लगाया कि वह मां का पक्ष ले रहा है। वह मायके चली गई। युवती ने बताया कि नेल पॉलिश की बात नहीं है। सास ने उसका जीना दुश्वार कर रखा है। बात-बात पर उसे परेशान करती है। ताने देती है। वह पति के साथ रहने को तैयार है मगर सास के साथ नहीं रहेगी। पति को साथ रहना है तो अलग रहना होगा।

इंडिया गठबंधन ने पार कर लिया 272 का आंकड़ा, अब 350 सीटों की ओर- जयराम रमेश

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद शनिवार को बड़ा दावा किया। मुख्य विपक्षी दल की ओर से कहा गया कि अब भाजपा की सत्ता से विदाई तय हो गई है। इंडिया गठबंधन 272 के आंकड़े को पार करने के बाद अब 350 से अधिक सीट जीतने की तरफ अग्रसर है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि हवा के रुख को भांपते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रिटायरमेंट पर विचार करना शुरू कर दिया है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज छठे चरण का चुनाव खत्म हो गया। अब तक 486 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। अब, जब निवर्तमान प्रधानमंत्री ने अपनी सेवानिवृत्ति योजना पर विचार करना शुरू कर दिया है, तब 2024 के लोकसभा चुनाव की स्थिति बिलकुल स्पष्ट है।'

जयराम रमेश ने दावा किया, 'भाजपा का सत्ता से जाना तय है। यह स्पष्ट हो गया है कि वे दक्षिण में साफ और उत्तर, पश्चिम व पूरब में हाफ हो रहे हैं।' कांग्रेस नेता के अनुसार, पहले चरण के बाद से इंडिया जनबंधन लगातार मजबूत हुआ है। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और आज दिल्ली में मतदान के बाद हम गठबंधन के सहयोगियों के बीच अविश्वसनीय समन्वय देख रहे हैं। इंडिया जनबंधन पहले ही 272 सीटों के आंकड़े को पार कर चुका है और कुल मिलाकर 350 से अधिक सीटें जीतने की ओर बढ़ रहा है। देश के मतदाता निवर्तमान प्रधानमंत्री के विश्वासघात और चालाकी को समझ चुके हैं।

पीएम के पास रिटायरमेंट योजना बनाने के लिए अतिरिक्त समय : कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया, 'निवर्तमान प्रधानमंत्री के पास अपनी सेवानिवृत्ति योजना बनाने के लिए अतिरिक्त समय है, क्योंकि भाजपा का अभियान जल्द ही समाप्त हो रहा है। भाजपा हरियाणा और पंजाब में प्रचार भी नहीं कर सकती है, क्योंकि उसके नेताओं को लोग गांवों से बाहर निकाल रहे हैं।' उन्होंने कहा कि किसान विरोधी सरकार के प्रति किसानों का गुस्सा चरम पर है और उनका इस सरकार से पूरी तरह से मोहभंग हो चुका है। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया, 'अब, जब निवर्तमान प्रधानमंत्री को हार बिलकुल नजदीक दिख रही है, तब वह और भी ज्यादा भ्रामक बातें कर रहे हैं। उन्होंने अब कहा है कि उनका जन्म नहीं हुआ था, उन्हें स्वयं परमात्मा ने भेजा है। शायद वह अपने अगले करियर में खुद को गॉडमैन के रूप में देख रहे हैं। यहां तक कि उनके चेले-चपाटों ने भी उनकी इस बात को स्वीकार कर लिया है। पुरी से भाजपा उम्मीदवार संबित पात्रा ने कहा कि भगवान जगन्नाथ भी निवर्तमान प्रधानमंत्री के भक्त हैं।'

जयराम रमेश ने कहा कि भारत के मतदाता इन दोनों को सबक सिखाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह चुनाव कांग्रेस पार्टी के सकारात्मक चुनावी अभियान के आस-पास केंद्रित रहा है। हमारा न्याय पत्र और हमारी गारंटियां सभी दलों के प्रचार के केंद्र में है। खटा-खट के नारे ने लोगों का ध्यान इस हद तक खींचा है कि निवर्तमान प्रधानमंत्री भी इस पर प्रतिक्रिया देने को मजबूर हो गए हैं।' कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रत्येक व्यक्ति के लिए मुफ्त अनाज के आवंटन को दोगुना करने की अंतिम गारंटी की घोषणा ने उत्तर और पूर्वी भारत में जबरदस्त माहौल बनाया है।

भाजपा हर दिन आदर्श आचार संहिता का कर रही उल्लंघन : रमेश ने निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए कहा, 'इस बीच चुनाव आयोग का लगातार सोते रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। निवर्तमान प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा हर दिन आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करती है। मतदान में धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल, मतदान के दिन विज्ञापन, सोशल मीडिया पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बार-बार मतदान करते हुए वीडियो डालना, इन सभी ने निवर्तमान प्रधानमंत्री को जवाबदेह ठहराने की चुनाव आयोग की क्षमता पर सवाल उठाए हैं।' उन्होंने कहा कि हम मतदान समापन के बाद जल्द से जल्द मतदान के अंतिम आंकड़ों को जारी करने की उम्मीद करते हैं। फॉर्म 17 सी को सार्वजनिक रूप से जारी करने से इनकार करना चुनाव आयोग के पारदर्शिता के आदर्शों के विपरीत है। यह चुनाव प्रणाली में विश्वास को कम करता है। रमेश ने दावा किया, 'हर एक जमीनी रिपोर्ट से बिल्कुल साफ है कि हवा बदल रही है, आंधी का रूप धारण कर चुकी है। इंडिया जनबंधन राजग को हराने जा रहा है।'

छठे चरण की वोटिंग के बाद कहां खड़ी है भाजपा!

नईदिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी और पिछले चुनाव की तुलना में कम मतदान के बावजूद भाजपा न केवल अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है बल्कि पिछले रिकॉर्ड को तोड़ने की भी उम्मीद लगाए है। छठे चरण का मतदान पूर्ण होने के बाद पार्टी अब सातवें और आखिरी चरण की तैयारी में जुट गई है। इस चरण में भाजपा की कोशिश अपने सबसे कमजोर राज्य पंजाब में ज्यादा लाभ हासिल करने की है। यहां पर विपक्ष बिखरा हुआ है, दूसरी तरफ भाजपा ने आधे से ज्यादा सीटों पर दूसरे दलों से आए नेताओं पर दांव लगाया है। छठे चरण के साथ लोकसभा की 486 सीटों के लिए मतदान का काम पूरा हो गया है। इसमें एक सीट सूरत भी शामिल है, जहां से भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध चुना गया है। बाकी बची 57 सीटों के लिए एक जून को वोट डाले जाएंगे। इसमें उत्तर प्रदेश की वाराणसी लोकसभा सीट भी शामिल है, जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में भाजपा को इस चरण में भी काफी उम्मीदें हैं। सूत्रों के अनुसार, भाजपा सबसे ज्यादा कोशिश पंजाब को लेकर कर रही है जहां विपक्ष में घमासान है। यह भाजपा का सबसे कमजोर राज्य है। इसलिए पार्टी को उम्मीदवार बनाने के लिए भी दूसरे दलों से और कुछ विशिष्ट लोगों पर दांव लगाना पड़ा है। भाजपा के एक प्रमुख नेता ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के तहत मिलकर चुनाव लड़ा है, लेकिन पंजाब में एक-दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ेंगे। साथ ही बसपा-अकाली दल भी चुनाव मैदान में होगा। ऐसे में चतुष्कोणीय संघर्ष में उसके लिए काफी उम्मीदें हैं। अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा यहां पर लंबे समय बाद अकेले लड़ रही है। पूरे पंजाब में उसके पास जमीनी संगठन भी उतना प्रभावी नहीं है, जो चुनाव जीतने के लिए होना चाहिए। ऐसे में भाजपा की उम्मीदें दूसरे दलों के आपसी संघर्ष पर और प्रधानमंत्री मोदी पर टिकी हैं।

भाजपा के लिए नतीजे पहले से बेहतर रहेंगे : भाजपा के एक प्रमुख नेता ने कहा कि इस बार पिछली बार की तुलना में कम मतदान जरूर हुआ, लेकिन भाजपा के लिए नतीजे पहले से भी बेहतर रहेंगे। इसकी वजह बिखरा और मुद्दाविहीन विपक्ष है, जिसका एकमात्र एजेंडा मोदी को हटाना रहा। पार्टी ने अभी तक के चुनाव के जो आंकड़े जुटाएं हैं, उनको लेकर वह काफी आश्वस्त है। भाजपा का दावा है कि छह चरणों में ही वह अपने लक्ष्य के करीब पहुंच चुकी है और जो कमी रह गई है।

यूपी में रिकॉर्ड तोड़ रही गर्मी, लखनऊ में 24 साल बाद सबसे गर्म रात, कब मिलेगी राहत

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में गर्मी रिकॉर्ड तोड़ रही है। दिन की गर्मी से ज्यादा रात बेहाल कर रही है। लखनऊ में 24 साल बाद मई माह की सबसे उमस और गर्मी भरी रात गुजरी है। बीती गुरुवार-शुक्रवार की रात न्यूनतम तापमान 31.3 दर्ज किया गया। यह सामान्य से 5.8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को तेज सतही हवाएं चलने का पूर्वानुमान है। इससे दिन में तापमान की बढ़ोतरी तो रहेगी लेकिन रात में स्थिति थोड़ी सुधरेगी। गर्मी में भी थोड़ी राहत की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार इसके पहले वर्ष 2000 में 18 मई की रात को इतनी गर्मी पड़ी थी।

तब न्यूनतम तापमन 31.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अभी स्थिति में सुधार की कोई उम्मीद नहीं है। वहीं, अधिकतम तापमान भी 41.7 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 1.5 अधिक रहा। अमौसी स्थित मौसम केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार मौजूदा समय प्रदेश के ऊपर प्रति चक्रवात की स्थिति बन रही है। यह स्थिति चक्रवात से विपरीत होती है। इसके केन्द्र में हवा का दबाव होता है और परिधि की ओर सबसे कम। इस वजह से धरती ठंडी नहीं हो पा रही है।

अमरावती में साफ हुआ नवनीत राणा का रास्ता? पूर्व सांसद बोले- राज्यपाल पद का ऑफर मिला

अमरावती, एजेंसी। अमरावती लोकसभा सीट महाराष्ट्र की सबसे हॉट सीटों में से एक है। यहां बीते 26 अप्रैल को मतदान हुआ था। भाजपा की तरफ से यहां नवनीत राणा ने चुनाव लड़ा। इस सीट पर उनका मुख्य मुकाबला कांग्रेस कैंडिडेट बलवंत वानखेड़े से था। अमरावती में नवनीत राणा के लिए रास्ता कैसे साफ हुआ? इसे लेकर शिवसेना के पूर्व सांसद आनंदराव अडसुल का दावा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें इस सीट पर चुनाव नहीं लड़ने के लिए मनाया था। अमरावती सीट से दो बार सांसद रहे अडसुल का कहना है कि उन्हें राज्यपाल पद की पेशकश की गई थी। हालांकि अडसुल कहते हैं कि इस बार राणा का चुनाव जीतना बहुत मुश्किल है। जनता और पार्टी कार्यकर्ता पिछले पांच साल में उनकी नाटकबाजी और सनसनी समझ चुकी है।

एकनाथ शिंदे गुट के नेता और अमरावती के पूर्व सांसद आनंदराव अडसुल ने कहा, जब सीटों का बंटवारा हो रहा था, तब अमित शाह ने मुझे बुलाया था। उन्होंने मुझे अमरावती से चुनाव न लड़ने के लिए कहा। मैंने उनसे कहा कि जिस उम्मीदवार को वे मैदान में उतारने की योजना बना रहे हैं, वह जीत नहीं सकती और उसका कोर्ट केस चल रहा है। शाह ने मुझसे कहा कि वे इसका ध्यान रखेंगे।

राज्यपाल पद का ऑफर मिला आनंदराव ने आगे कहा कि उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं क्या चाहता हूं और फिर मुझे राज्यपाल बनाने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि इसके

बाद उन्होंने चुनाव से हटने का फैसला किया, लेकिन उन्होंने कहा कि पिछले 20 महीनों से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी उन्हें इसी तरह का आश्वासन दे रखा है। 2019 में नवनीत राणा से हारे थे चुनाव

अडसुल ने 2009 और 2014 में अमरावती लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया है। हालांकि 2019 में उन्हें एनसीपी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार नवनीत राणा से हार का मुंह देखना पड़ा था। चुनाव जीतने के बाद नवनीत राणा भाजपा में शामिल हो गई थी। ऐसा बताया जाता है कि अडसुल अमरावती से चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन, भाजपा द्वारा राणा को तरजीह दिए जाने के कारण अडसुल इस सीट से पीछे हट गए।

पांच साल में सिर्फ नाटकबाजी और सनसनी फैलाई अडसुल ने नवनीत राणा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि इस सीट से उनकी जीत मुश्किल है। मौजूदा भावना नवनीत राणा के खिलाफ है, इसलिए मुझे उनके जीतने की संभावना के बारे में संदेह है। राणा पिछले पांच सालों से केवल नाटकबाजी और सनसनी फैलाने में लगी हुई हैं, जो लोगों को पसंद नहीं आई। न तो भाजपा कार्यकर्ता और न ही मतदाता उनका समर्थन करते हैं। मुझे यकीन नहीं है कि वह जीत हासिल कर पाएंगी। गौरतलब है कि आनंदराव अडसुल, गजानन कीर्तिकर के बाद महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के पक्ष में बोलने वाले दूसरे शिवसेना नेता हैं। कीर्तिकर के बयान के बाद शिंदे गुट के नेता और भाजपा नेताओं में नाराजगी सामने आई थी। इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की भी मांग उठी थी। अडसुल ने कीर्तिकर का बचाव किया और कहा कि वह पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और उन्हें अपने विचार रखने का अधिकार है।

ब्रेनडेड गुजरात निवासी तेजस ने 3 लोगों को दिया नया जीवन, 12 घंटे चली ट्रांसप्लांट प्रक्रिया

जयपुर, एजेंसी। गुजरात निवासी तेजस उपेंद्र ने इस दुनिया को अलविदा कहने के बाद 3 मरीजों को नया जीवन दिया। राजस्थान के जयपुर में एक निजी अस्पताल में ब्रेनडेड होने के बाद उनका अंगों का ट्रांसप्लांट किया गया। अंगों में एक किडनी और लिवर यहां एसएमएस मेडिकल कॉलेज की हिपेटोलॉजी और रीनल साइंस विभाग ने दो अलग-अलग मरीजों में किडनी और लिवर ट्रांसप्लांट किया। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने शनिवार को बताया कि पिछले दो महीने से ट्रांसप्लांट से जुड़ी गतिविधि नहीं हो सकी, लेकिन अभी मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह द्वारा गठित की गई नई कमेटी के बाद अब वापस से एसएमएस मेडिकल कॉलेज के ट्रांसप्लांट प्रोग्राम शुरू हो गया है। इसी कड़ी में शुक्रवार को दो मरीजों को ब्रेनडेड व्यक्ति के अंग प्रत्यारोपित किए गए।

लिवर ट्रांसप्लांट करने वाले सीनियर हेपेटोबिलरी सर्जन डॉ. दिनेश भारती ने बताया कि ब्रेनडेड व्यक्ति का लिवर 44

वर्षीय महिला को लगाया गया है। एक निजी अस्पताल में व्यक्ति के ब्रेनडेड होने के बाद सोटो के पदाधिकारियों ने उसके परिजनों की काउंसिलिंग की. परिजनों से अंग दान की सहमति प्राप्त होने के बाद शुक्रवार शाम 5 बजे से व्यक्ति के अंगों को रिट्रीव करने की प्रक्रिया चली. रात 8:15 बजे अंग एसएमएस में पहुंचे और शनिवार सुबह 6:30 बजे तक लिवर ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया पूरी हुई। किडनी ट्रांसप्लांट करने वाले यूरोलॉजी डिपार्टमेंट एचओडी डॉ. नचिकेत व्यास ने बताया कि किडनी कोटा निवासी एक 32 वर्षीय पुरुष को लगाई गई है जो काफी समय से किडनी फेलियर की समस्या से जूझ रहा था। ट्रांसप्लांट के बाद किडनी अच्छे से काम कर रही है और घंटे में 600 एमएल तक यूरीन बना रही है।

अब राम मंदिर परिसर में नहीं ले जा सकेंगे मोबाइल, लागू किए गए कड़े नियम

अयोध्या, एजेंसी। अब आप राम मंदिर परिसर में मोबाइल फोन नहीं ले जा सकेंगे। मंदिर निर्माण समिति में फैसला किया गया है कि 25 मई से राम मंदिर परिसर में मोबाइल फोन ले जाने पर कड़ी पाबंदी होगी। शुक्रवार को नृपेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक आयोजित की गई थी. इसमें राम मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पर व्यापक चर्चा की गई। मंदिर निर्माण समिति ने मंदिर निर्माण पूरा करने और परकोटा निर्माण की डेडलाइन भी तय कर दी है।

राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के मुताबिक निर्माण कार्य की समीक्षा के बाद तय किया गया है कि दिसंबर 2024 तक मंदिर निर्माण का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा मंदिर के चारों ओर परकोटा का निर्माण भी मार्च 2024 तक पूरा हो जाएगा। इस परकोटे के अंदर ही राम मंदिर समेत अन्य देवताओं के मंदिर भी आएंगे। डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए क्लॉरूम की सुविधा उपलब्ध रहेगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ही मोबाइल बैन करने का फैसला किया गया है और यात्रियों को इसका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा, मंदिर परिसर के बाहर ही मोबाइल समेत अन्य कीमती सामान रखने की सुविधा उपलब्ध है। अब यात्रियों को व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करना है। उन्होंने बताया कि मंदिर के चारों ओर 14 फीट ऊंचा परकोटा नाया जाएगा। चंपत राय ने बताया कि परकोटे के अंदर

राम मंदिर के अलावा छह और मंदिर होंगे। इसमें भगवान शिव और हनुमान जी का मंदिर शामिल होगा। मंदिर परिसर में एक साथ 25 हजार लोग पहुंच सकेंगे। बता दें कि राम मंदिर का निर्माण नागरा शैली में 2.7 एकड़ में किया गया है। इसकी ऊंचाई 161 फीट है। इस मंदिर में 392 पिलर हैं और 44 दरवाजे हैं। इस मंदिर में पांच हॉल हैं जिनका नाम नृत्य मंडपम, रंग मंडप, शोभा मंडप, प्रार्थना मंडप और कीर्तन मंडप है। मंदिर के स्तंभों पर भी खूबसूरत नक्काशी की गई है। मंदिर का निर्माण तीन मंजिल तक होना है जिसपर काम अभी चल रहा है। 22 जनवरी को यहां 51 इंच ऊंची भगवान राम की प्रतिमा की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राण प्रतिष्ठा में हिस्सा लिया था। इसके अलावा इस मौके पर 8 हजार वीआईपी पहुंचे थे।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय मैं हार्वर्ड कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका गई थीं : स्वाति मालीवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने शनिवार को बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका गई थीं। दरअसल इस तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं कि आम आदमी पार्टी का नेतृत्व स्वाति मालीवाल से इसलिए नाराज था क्योंकि जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब नीति मामले मामले में गिरफ्तार किया था तब वह वहां मौजूद नहीं थीं। हालांकि मालीवाल ने इन आरोपों को खारिज किया है। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए, स्वाति मालीवाल ने कहा कि वह हार्वर्ड कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए मार्च में अमेरिका में थीं और आप स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित विभिन्न मिलन-अभिवादन कार्यक्रमों में भाग लिया था। उन्होंने यह भी कहा कि वह अमेरिका में ज्यादा दिन इसलिए भी रुकीं क्योंकि उनकी बहन को कोविड हो गया। उनकी बहन पिछले 15 वर्षों से अमेरिका में रह रही हैं। स्वाति मालीवाल ने कहा, मैं हार्वर्ड कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका गई और आप स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित विभिन्न मिलन-अभिवादन कार्यक्रमों में भाग लिया। जिस समय अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया, उस समय अमेरिका में रहने वाली मेरी बहन को कोविड हो गया था। मेरा

सारा सामान उसके घर पर था और फिर मुझे क्वारंटाइन से गुजरना पड़ा। उस दौरान भी मैं पार्टी के संपर्क में थी, ट्वीट कर रही थी और नेताओं से बात कर रही थी। उस समय मैं जो कुछ भी कर सकती थी मैंने किया। यह कहना कि मैं उस समय पार्टी के लिए काम नहीं कर रहा थी, बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि जब अरविंद केजरीवाल जेल में थे, तो स्वाति मालीवाल, राघव चड्ढा और हरभजन सिंह सहित आप के राज्यसभा सांसद दिल्ली में मौजूद नहीं थे और इससे संभवतः पार्टी नेतृत्व नाराज हो गया था। इसके अलावा, दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की पूर्व अध्यक्ष ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि राघव चड्ढा के साथ अलग व्यवहार क्यों किया गया, क्योंकि जब अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया था तब वह भी लंदन में थे। मालीवाल ने चड्ढा का नाम लिए बिना पूछा, अगर इसी कारण मुझे पीटा गया, तो मैं असल में समझना चाहती हूं कि ऐसा क्यों है कि मेरे साथ इस तरह का व्यवहार किया गया है और दूसरे राज्यसभा सांसद जो लंदन में थे, उनका रेड कार्पेट स्वागत किया गया? राघव चड्ढा की आंख की सर्जरी लंदन में हुई थी और वह लंबे समय से देश से बाहर थे। इससे पहले, दिल्ली के एक मंत्री ने कहा था कि सांसद को आंखों की गंभीर बीमारी हो गई है जिससे अंधापन हो सकता था। जब स्वाति मालीवाल से उनके बीजेपी के संपर्क में होने और सत्ताधारी पार्टी के इशारे पर यह सब करने के आप के आरोपों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और बिल्कुल वैसा ही जैसा उन्होंने मुझे धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि जैसे ही मैं अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज करूंगी, यही होगा। पिछले हफ्ते राष्ट्रीय राजधानी में एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया जब स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार ने उन्हें पूरी ताकत से बार-बार मारा। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ कथित मारपीट के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार को शुक्रवार को चार दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

टी-20 वर्ल्डकप 2024

विराट को छोड़ टीम इंडिया अमेरिका के लिए हुई रवाना

मुंबई, एजेंसी। आईसीसी टी20 विश्व कप शुरू होने से पहले कप्तान रोहित शर्मा, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और नंबर एक रैंक वाले टी20ई बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव सहित भारतीय खिलाड़ियों का पहला जत्था संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए रवाना हो गाया।

इस जत्थे में कप्तान रोहित, बुमराह और सूर्यकुमार के अलावा मुख्य कोच राहुल द्रविड़, बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, बल्लेबाज शुभमन गिल, ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा और शिवम दुबे, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल शामिल थे।

सभी प्लेयर्स जब मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचे तो उन्होंने फोटो सेशन भी कराया। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी विशेष फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की। टीम में यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल अभी शामिल नहीं हुए हैं.

बता दें कि भारत का टी20 विश्व कप अभियान 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ न्यूयॉर्क के नवनिर्मित नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। भारत बनाम पाकिस्तान का मुकाबला 9 जून को होगा। वे बाद में अपने ग्रुप ए मैच खत्म करने के लिए टूर्नामेंट के सह-मेजबान यूएसए (12 जून) और कनाडा (15 जून) से खेलेंगे।

भारत ने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में टूर्नामेंट का उद्घाटन संस्करण जीत महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीता था। 2022 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित आखिरी संस्करण में भारत सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 10 विकेट से हार गया था। भारत एक और बार फाइनल में पहुंचा था लेकिन वहां उन्हें जीत नसीब नहीं हुई थी।

भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मो. सिराज

रिजर्व -शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान।

संक्षिप्त समाचार

फुटबॉल

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने जीता एफए कप, गत विजेता मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से दी शिकस्त

नईदिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने गत विजेता मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से शिकस्त देते हुए एफए कप फुटबाल का खिताब अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही यूनाइटेड ने अगले सत्र के लिए यूरोपा लीग के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। फाइनल पिछले साल की पुनरावृत्ति थी जिसे सिटी ने 2-1 से जीता था। यूनाइटेड के लिए एजेजांद्रो (30वां मिनट) और कॉबी मेनू (39वां मिनट) ने गोल किए। सिटी के लिए गोल जेरेमी ने 87वें मिनट में किया। यूनाइटेड का यह 13वां एफए कप है। रिकॉर्ड आर्सेनल (14 एफए कप) के नाम है।

बाबर आजम टी20 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, रोहित शर्मा को छोड़ा पीछे

बर्मिंघम (यूके)एजेंसी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने भारत के कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए टी20 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। बाबर ने एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान के दूसरे टी20 मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच की दूसरी पारी में बाबर ने औसत प्रदर्शन किया। उन्होंने 123.08 की स्ट्राइक रेट से 26 गेंदों पर 32 रन बनाए और रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। उन्होंने 4 चौके लगाए लेकिन उनके प्रयास मेन इन ग्रीन को जीत दिलाने में मदद नहीं कर सके। टी20 में रोहित ने 151 मैच और 143 पारियां में 139.97 की स्ट्राइक रेट से 3974 रन बनाए। वहीं बाबर ने 118 मैचों और 111 पारियों में 129.91 की स्ट्राइक रेट से 3987 रन बनाए। रोहित और बाबर से आगे सिर्फ भारत के करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली हैं। कोहली फिलहाल 4037 रनों के साथ टी20आई में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

मैच की बात करें तो कप्तान जॉस बटलर (87) और विल जैक्स (37) की शानदार बल्लेबाजी और उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन दम पर इंग्लैंड ने शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 23 रन से हरा दिया है। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट जल्द ही गवां थे।

मोहम्मद रिजवान (शून्य) और सईम अयूब (2) रन बनाकर आउट हुए। ऐसे सकंट के समय कप्तान बाबर आजम और फखर जमान ने पारी को संभाला। बाबर आजम 26 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। फखर जमान ने 21 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुये 45 रनों की पारी खेली।

शादाब खान (3), आजम खान (11), इफ्तिखार अहमद (23) और इमाद वसीम (22) रन बनाकर आउट हुये। शाहीन शाह अफरीदी (9) रन और मोहम्मद आमिर पांच रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने पाकिस्तान की पूरी टीम को 19.2 ओवर में 160 रन पर समेट कर मुकाबला 23 रन से जीत लिया।

पावर लिफ्टिंग में जीते दो स्वर्ण पदक

इंग्लैंड में रजवंत कौर ने बढ़ाया तिरंगे का मान

चंडीगढ़, एजेंसी। देश की बटी रजवंत कौर ने इंग्लैड में दो स्वर्ण पदक जीत कर तिरंगे का मान बढ़ाया है। ब्रिटिश पावर लिफ्टिंग फेडरेशन और वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग यूनियन की ओर से आयोजित ब्रिटिश इंटरनेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपिशनशिन रॉ में रजवंत ने यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 115 किलोग्राम भार वर्ग और 55 किलोग्राम वेट क्लास कैटेगरी में देश को मेडल दिलवाए है।

प्रतियोगिता में वह भारत का प्रतिनिधित्व कर रही थी। पावर लिफ्टिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से उन्हें इंग्लैंड में होनी वाली इस प्रतियोगिता के लिए चुना गया था। उन्होंने दो स्वर्ण पदक जीत कर देश का नाम रोशन करने के साथ-साथ फेडरेशन के पदाधिकारियों की ओर से उन पर जताए विश्वास पर खरी उतरी। पावर लिफ्टिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष कैप्टन जगप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय इंग्लैंड में इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने गई थी। रजवंत मोहाली के खरड़ में रहती है, उनके पिता सुमेंद्र सिंह पेशे से किसान थे और उनकी मृत्यू हो चुकी है। उ

नके पिता भी चाहते थे कि वह देश का नाम रोशन करें जो आज रजवंत ने करके दिखा दिया है। अध्यक्ष जगप्रीत ने रजवंत की सफलता के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि उन्होंने अपने सिलेक्शन को सफल बनाया है। उन्होंने प्रतियोगिता में दिखाया है कि देश की बेटी भी मेडल लेकर आ सकती है।

वहीं रजवंत से अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच, फेडरेशन और अपनी मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि फेडरेशन ने उन पर विश्वास जताया और वह उस पर खरी उतरी। विदेश में तिरंगे का मान बढ़ाने की खुशी सबसे बड़ी है। इस प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही रजवंत ने 29-30 जून को स्पेन में होने वाले वर्ल्ड कप में भी जगह बना ली है। रजवंत ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह इस विश्वकप में भी अपने प्रदर्शन को दोहराएंगी और देश के लिए मेडल जीत कर आएंगी।

ग्रेट खली ने बधाई दी

मेडल जीतने पर पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई और वर्ल्ड हेवीवेट चैंपियन ग्रेट खली ने भी रजवंत से मिलकर उन्हें बधाई दी। खली ने कहा कि सफलता की पूंजी सिर्फ मेहनत है। मेडल जीत कर आने पर रजवंत का फेडरेशन के अधिकारियों के अलावा उनके रिश्तेदारों ने उनका जोरदार स्वागत किया गया।

बांग्लादेश तीसरा टी-20 यूएसए से 10 विकेट से जीता

- मुस्तफिजुर ने लिए 6 विकेट
- सौम्य-तांजिद के बीच 108 रन की साझेदारी

ह्यूस्टन, एजेंसी। बांग्लादेश ने यूएसए को आखिरी टी-20 मैच में 10 विकेट से हराया। वर्ल्ड कप से पहले यूएसए दौरे पर गई बांग्लादेश को तीन टी-20 मैचों की शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा। ह्यूस्टन के प्रेयरी व्यू क्रिकेट कॉम्पलेक्स में खेले गए तीसरे टी-20 मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यूएसए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 108 रन बनाए। वहीं 109 रन का टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश ने बिना विकेट खोए 11.4 ओवर में इसे हासिल कर लिया। बांग्लादेश की ओर से मुस्तफिजुर रहमान ने 6 विकेट लिए। यूएसए ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज को 2-1 से जीत लिया है।

यूएसए की शुरुआत अच्छी रही। ओपनर शायान जहांगीर और एंड्रीज गौस ने पहले विकेट के लिए 46 रन की साझेदारी की।एंड्रीज शाकिब अल हसन की गेंद पर सौम्या सरकार को कैच देकर पवेलियन लौट गए। एंड्रीज ने 15 गेंदों का सामना कर 27 रन बनाए। वे यूएसए के टॉप स्कोरर रहे। उनके आउट होने के बाद शायान भी चलते बने। उसके बाद 56 रन पर तीसरा और 60 रन के स्कोर पर चौथा और पांचवा विकेट गिरा। मुस्तफिजुर ने सबसे पहले गौस को आउट करके उनकी और शायान की मजबूत होती दिख रही साझेदारी को खत्म किया।

मुस्तफिजुर ने 10 रन दिए, 6 विकेट लिए

बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने यहां रिकॉर्ड तोड़ गेंदबाजी की। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पैल में महज 10 रन देकर छह विकेट हासिल किए। इस दौरान उनका इकनोमी रेट 2.40 रहा। वह टी-20 में ऐसा करने वाले बांग्लादेश के पहले गेंदबाज रहे। मुस्तफिजुर इससे पहले 2015 में वनडे में भारत के खिलाफ 43 रन देकर 6 विकेट ले चुके हैं।

मैं भारतीय टीम का कोच पद संभालने के लिए इच्छुक नहीं : हसी

पर्थ, एजेंसी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग के बाद अब पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपनर माइकल हसी ने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का कोच पद संभालने से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि वह जीवन के इस चरण में इस पर विचार करने में दिलचस्पी नहीं रखते हैं।

गत 13 मई को बीसीसीआई ने शीर्ष पद के लिए राहुल द्रविड़ के उत्तराधिकारी पद के लिए आवेदन आमंत्रित किये थे जिसकी समय सीमा 27 मई थी। अगला भारतीय कोच एक जुलाई 2024 से 31 दिसंबर 2027 तक नियुक्त किया जाएगा। हसी ने आईपीएल 2024 में हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ सहायक कोच का कार्यकाल समाप्त किया था। वह द हंड्रेड में वेल्श फायर के भी कोच हैं और ऑस्ट्रेलिया के घरेलू समर में फॉक्स क्रिकेट में भी कमेंटेटर हैं। हसी ने कहा, भारत दुनिया में किसी अन्य देश से ज्यादा क्रिकेट खेलता है। वे एक के बाद एक दौरा करते रहते हैं। यह आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहता है। आईपीएल आठ से दस सप्ताह रहता है जबकि शेष वर्ष आपको टीम के साथ रहना पड़ता है।

हसी ने कहा, मैं अपने जीवन के इस चरण में ऐसे पद के लिए इच्छुक नहीं हूं। मैं एक सहायक या प्रमुख कोच की भूमिका से खुश हूं और थोड़ा बहुत मीडिया वर्क भी करता हूं। मैं कुछ समय घर में गुजार लेता हूं। आप हमेशा घर पर ज्यादा समय बिताना पसंद करते हैं। मेरा काफी व्यस्त कार्यक्रम है।

स्टीफन फ्लेमिंग का नाम भारतीय कोच पद के लिए उछाले जाने के बारे में पूछने पर हसी ने कहा, इससे पता चलता है कि विश्व स्तर पर उनका कितना सम्मान किया जाता है लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह इस विचार को पसंद करेंगे।

राजस्थान रॉयल्स का आईपीएल अभियान क्वालीफायर दो में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 36 रन की हार के साथ समाप्त हो जाने के बाद उनके क्रिकेट निदेशक और श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने भी खुद को भारतीय कोच पद की होड़ से बाहर कर लिया है।

एफआईएच प्रो लीग

भारत की पुरुष हॉकी टीम को शूटआउट में बेल्जियम से 1-3 से शिकस्त, लगातार दूसरी हार से मायूसी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग में 2-2 की बराबरी के बाद शूटआउट में बेल्जियम से 1-3 से हार मिली। अराईजीत सिंह ने 11वें मिनट में बढ़त दिला दी पर फेलिक्स ने 30वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। फ्लोरेंट (50वें मिनट) ने बेल्जियम को बढ़त दिलाई पर सुखजीत (57वें मिनट) में स्कोर 2-2 कर दिया। शूटआउट में सुखजीत ही भारत के लिए गोल कर सके जबकि विवेक सागर, अभिषेक और अराईजीत चूक गए। इस बीच महिला टीम को प्रो लीग के बेल्जियम से 1-2 से हार मिली। बेल्जियम के खिलाफ यह टीम की लगातार दूसरी हार है।

दुनिया में छठे नंबर पर मौजूद भारत एक अंक लेने के चक्कर में शूटआउट में 1-3 से हार गया। तीसरे नंबर पर काबिज बेल्जियम ने दो अंक हासिल किए, जिसमें शूटआउट जीतने का बोनस अंक भी शामिल है। अराईजीत सिंह हुंदल ने 11वें मिनट में बेहतरीन फील्ड गोल करके भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन फेलिक्स डेनेयर (30वें मिनट) ने हाफ टाइम से कुछ सेकंड पहले पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी हासिल कर ली। फ्लोरेंट वान औबेल ने 50वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बेल्जियम को पहली बार मैच में आगे पहुंचाया, लेकिन सुखजीत सिंह (57वें) ने निर्धारित समय खत्म होने से तीन मिनट पहले स्कोर बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत के लिए केवल सुखजीत सिंह ने गोल किया, जबकि विवेक सागर प्रसाद, अभिषेक और अरजीत सिंह हुंदल चूक गए। बेल्जियम के लिए विलियम घिसलेन, फ्लोरेंट वान ऑबेल और गौथियर बोकार्ड ने लक्ष्य हासिल किया जबकि आर्थर डी स्लोओवर चूक गए।

भारत शुक्रवार को अपने पहले मैच में बेल्जियम से 1-4 से हार गया था। इससे पहले हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने बुधवार को शूटआउट में अर्जेंटीना को 5-4 से हराया था। यह बेल्जियम की आक्रामक गोलकीपिंग ही थी जिसने उन्हें रोमांचक मुकाबले में पहुंचाया लेकिन भारत अपनी पिछली हार का बदला नहीं ले सका। अब रविवार को भारत अर्जेंटीना के खिलाफ खेलने उतरेगा।

बटलर की फिफ्टी से जीता इंग्लैंड

- पाकिस्तान को दूसरे टी-20 में 23 रन से हराया, 385 दिन बाद वापसी कर रहे ऑर्चर को 2 विकेट

बर्मिंघम, एजेंसी। बर्मिंघम के मैदान पर शुक्रवार को पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। इंग्लैंड ने बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान 19.2 ओवर में 160 रन पर सिमट गई। जोस बटलर के अर्धशतक के अलावा विल जैक्स ने 37 रन की पारी खेली। वहीं, बॉलर रीस टॉपली ने 3 और 385 दिन बाद वापसी कर रहे जोफा आर्चर ने 2 विकेट लिए। पाकिस्तान के लिए फखर जमान ने सबसे ज्यादा 21 बॉल में 45 रन बनाए। वहीं, शाहिन शाह अफरीदी ने 3 विकेट लिए। पहला मुकाबला बारिश में धुल गया था। सीरीज में इंग्लैंड ने 1-0 से लीड बना ली है।

इंग्लैंड की शुरुआत खराब, जैक्स-बटलर का अर्धशतक

इंग्लैंड ने फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट सिर्फ 13 रन बनाकर आउट हुए। 25 रन पर पहला विकेट गिर गया। इसके बाद, विल जैक्स और जॉस बटलर की पावर-पैक जोड़ी ने पारी को आगे बढ़ाया। बटलर और जैक्स ने साथ 71 रन की साझेदारी की और 10 ओवर के बाद इंग्लैंड को 96/1 पर ला दिया। इसके बाद, जॉनी बेयरस्टो और बटलर के बीच 48 रन की पार्टनरशिप हुई। बेयरस्टो ने को 18 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों की मदद से 21 रन बनाए।

आखिरी ओवर्स में इंग्लैंड के बैटर्स बड़े हिट नहीं लगा सके, और टीम के विकेट गिर चुके है। बटलर 51 गेंदों में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 84 रन बनाकर हारिस की बॉल पर आउट हुए। पाकिस्तान के बॉलर्स ने जोरदार वापसी करते हुए इंग्लैंड को 20 ओवरों में 183/7 पर रोक दिया।

शाहीन को 3 विकेट

पाकिस्तान की ओर से शाहिन अफरीदी को 3 विकेट मिले।

मुक्केबाज अभिमन्यु लौरा ने क्रिस्टियन निकोलोव को हराया

ओलंपिक क्वालिफायर

नईदिल्ली, एजेंसी। अभिमन्यु ने धीमी शुरुआत की जिससे बुल्गारिया के 10 बार के राष्ट्रीय चैंपियन निकोलोव ने पहले राउंड में दबदबा बना लिया। हालांकि 21 साल के भारतीय मुक्केबाज ने तेजी से रणनीति बदली और दूसरे राउंड में आक्रामक हो गए जिससे पांच में से चार जजों ने उनके हक में अंक दिए। भारतीय मुक्केबाजों का विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन जारी रहा और राष्ट्रीय चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अभिमन्यु लौरा ने शानदार जज्बा दिखाते हुए शनिवार को पेरिस ओलंपिक के लिए मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के 80 किग्रा वर्ग के पहले दौर में बुल्गारिया के क्रिस्टियन निकोलोव पर जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश कर लिया।

वापसी करने में सफल रहे अभिमन्यु

अभिमन्यु ने धीमी शुरुआत की जिससे बुल्गारिया के 10 बार के राष्ट्रीय चैंपियन निकोलोव ने पहले राउंड में दबदबा बना लिया। हालांकि 21 साल के भारतीय मुक्केबाज ने तेजी से रणनीति बदली और दूसरे राउंड में आक्रामक हो गए जिससे पांच में से चार जजों ने उनके हक में अंक दिए। इस भारतीय ने तीसरे और अंतिम राउंड में तेजी से मुक्के जड़ना जारी रखते हुए 3-0 से मुकाबला जीत लिया। इससे थाईलैंड की राजधानी में भारतीय दल के दो मुकाबलों में यह दूसरी जीत रही। शुक्रवार को सचिन सिवाच ने 57 किग्रा वर्ग में न्यूजीलैंड के एलेक्स मुकाका को हराकर जीत से खाता खोला था।

सात पुरुष और तीन महिला मुक्केबाज पेश कर रहे हैं चुनौती

भारत ने दूसरे विश्व क्वालीफायर में सात पुरुष और तीन महिला मुक्केबाज उतारे हैं। अभिनाश जामवाल (63.5 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) रविवार को अपने-अपने वर्गों में चुनौती पेश करेंगे। जामवाल का सामना लिथुआनिया के आंद्रिजुस लावरेनोवास से होगा, जबकि निशांत शुरुआती बाउट में आमंडो बिगाफा के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे। निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहाई (75 किग्रा) ने एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के दम पर पहले ही पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पेरिस ओलंपिक का आयोजन इस साल जुलाई-अगस्त में होना है।

कुंआ गहरी करण के दौरान हादसा, एक मजदूर की मौत

प्राथमिक स्वास्थ केंद्र में मृत लाया गया मजदूर

पन्ना। थाना क्षेत्र के पिपरिया खुर्द में कुएं के गहरीकरण के दौरान एक मजदूर की मौत होने का मामला सामने आया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रैपुरा के अनुसार मृतक राजेश लोधी उम्र लगभग 35वर्ष निवासी मानकोरा को लगभग साढ़े पांच बजे लाया गया था। डॉक्टर के अनुसार व्यक्ति की लगभग ढाई से तीन घंटे पहले ही मौत हो चुकी थी। मृतक के पिता हरिलाल लोधी बताते हैं कि उन्हें एक परिजन पांच बजे घर लेते आया था कि बेटे को कुछ हो गया है साथ चलो। वहीं मृतक मजदूर की पत्नी अनीता लोधी ने गंभीर आरोप लगाते हुए पिपरिया खुर्द के ही एक व्यक्ति पर आरोप लगाते हुए कहा है कि उसके पति रतन लोधी नामक व्यक्ति के यहां काम करते थे जो ट्रैक्टर से ब्लास्टिंग का काम करता हैं मृतक उसी के ब्लास्टिंग ट्रैक्टर में काम करता था। कुछ दिनों से उसी के यहां ही कुएं के गहरीकरण का काम चल रहा था उसी में वह काम कर रहे थे। पत्नि के अनुसार वह 11 बजे दोपहर से फोन से संपर्क करने का प्रयास कर रही थी परंतु किसी ने फोन नहीं उठाया। पत्नी के अनुसार ब्लास्टिंग का काम करने में उसके पति की मौत हुई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मृतक मजदूर को 5 बजे के बाद लाए, डॉक्टर बोले लगभग तीन घंटे पहले ही हो चुकी थी मौत।

मामले में लापरवाही और सबूत दबाने का शक परिवार वालो ने जाहिर किया है। उन्होंने बताया कि हमे पांच बजे बताया गया कि हादसा हुआ है। मृतक को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लगभग 5 बजे के बाद लाया गया। जहां डॉक्टर के अनुसार लगभग ढाई से तीन घंटे पहले ही मौत हो चुकी थी। परिजनों ने कहा कि आखिर इतनी देर तक किसी को न बताने का कारण क्या हो सकता है। पूरे क्षेत्र में अवैध रूप से चल रही ब्लास्टिंग मशीनें, पोकलेन और जेसीबी मशीन। पूरे रैपुरा क्षेत्र में अवैध रूप से खनन, पंचायत के तालाब खुदाई, कुओं के गहरीकरण एवम अन्य अवैध कामों में जेसीबी एवम पोकलेन मशीन ढलल्ले से चल रहीं हैं। जानकारी के अनुसार ब्लास्टिंग का भी कोई वैध लाइसेंस पूरे क्षेत्र में नही है फिर भी खुले आम इनका उपयोग हो रहा है। प्रशासन ने अभी तक कही भी वैध कार्यवाही नही की। घटना के बाद लोगो का कहना है कि मिली भगत से सारे खनन कार्य चल रहे हैं जिनका खामियाजा मजदूरों को उठाना पड़ रहा है।

देर शाम जानकारी मिलने तक शव को रैपुरा शव विच्छेदन गृह में रखवाया गया है। पुलिस ने मामले को विवेचन में लिया है। वही इस विषय पर मृतक की पत्नी अनीता लोधी, वा मृतक के पिता हरिलाल लोधी ने रो रो कर क्या कुछ कहा आप भी सुने।

जमीनी विवाद एवं छेड़छाड़ के मामले में दो पक्षों में खूनी संघर्ष

चार घायल युवती के हाथ पैर काटने का प्रयास

पन्ना। पन्ना जिले के सलेहा थाना अंतर्गत जमीनी विवाद एवं छेड़छाड़ के मामले में 2 पक्षों में खूनी संघर्ष का मामला है जिसमें 1 युवती सहित 4 लोग घायल हो गए हैं। वहीं युवती के हाथ पैर काटने के प्रयास के भी आरोप लगाए गए हैं। घायलों को जिला अस्पताल पन्ना में भर्ती कराया गया है जहां इलाज चल रहा है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए घायल युवती ने बताया कि उनके पिता पांच भाई हैं जिनमें 2 भाइयों से जमीनी विवाद चल रहा है जो न्यायालय पन्ना में विचाराधीन है। युवती ने बताया कि घटना दिनांक को वह खेत में शौच के लिए गई हुई थी जहां चचेरे भाइयों के द्वारा छेड़छाड़ किया गया, विरोध करने और शोर मचाने पर चाचा के लड़के और उनके परिवार के लोगों ने आकर लाठी डंडों से हमला कर दिया, हमारे घर वाले बचाने पहुंचे तो उनपर भी लाठी और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और मेरे हाथ पैर काटने का प्रयास किया, इस घटना में घायल लोगों एवं युवती को जिला अस्पताल पन्ना में भर्ती कराया गया है जहां इलाज चल रहा है। युवती ने आरोप लगाए हैं कि जैसी शिकायत की गई सलेहा थाना प्रभारी द्वारा वैसी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। मामले की जांच करवा कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

नायब तहसीलदार ने जप्त किये पत्थर

सचिव ने कर दिये विक्रय, ग्रामीणो ने कलेक्टर को आवेदन देकर कार्यवाही करने की मांग

पन्ना। जनपद पंचायत गुनौर अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिरी में विगत दिनों हुई भारी भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच पूरी हुई नही हुई। इसके पहले ही इसी ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार का नया मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत सिरी के ग्रामीणो ने कलेक्टर के नाम आवेदन देते हुए बताया कि, नायब तहसीलदार हेमंत अवधिया ने 4 जनवरी 2024 को 20 ट्रॉली पत्थर की जपती कार्यवाही एवं सुपुर्दगी कार्यवाही की गई थी तथा उक्त पत्थर ग्राम पंचायत की सुपुर्दगी मे दे दिया गया था। लेकिन बिना तहसीलदार की स्वीकृति के सचिव द्वारा उक्त पत्थर विक्रय कर दिये गये। आरोप लगाया गया कि बाद में नायब तहसीलदार ने बिना नीलामी के अवैध रूपसे सचिव के साथ मिलकर जप्ति सुदा पत्थर बेंच दिए। जहां जपती एवं सुपुर्दगी रसीद के साथ ग्रामीणों ने कलेक्टर पन्ना के यहां शिकायत की है एवं कार्यवाही की मांग की हे हालांकि जब इस संबंध में नायब तहसीलदार हेमंत अवधिया से जानकारी ली गई तोउन्होंने कहां की 20 ट्राली पत्थर की जपती बनाई गई एवं पंचायत सचिव को सुपुर्द किया गया था। लेकिन उक्त पत्थर कहा गये मुझे मालुम नही है। यही भी बताया जा रहा है कि उस दौरान अमानगंज बाईपास रोड निर्माण कंपनी के ठेकेदार द्वारा पाठा तालाब में जेसीबी से अवैध खनन किया जा रहा था तथा तहसीलदार द्वारा संबंधित जेसीबी मशीन भी पकडी गई थी, लेकिन उसे बाद मे छोड दिया गया था। ग्रामीणो ने संबंधितो के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

कार्यपालिक मजिस्ट्रेक की ड्यूटी निर्धारित

पन्ना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ने मतगणना दिवस पर 4 जून को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई है। संपूर्ण मतगणना स्थल के लिए एसडीएम कुशल सिंह गौतम को एवं प्रभारी नायब तहसीलदार पुन्नूलाल शांडया को सहायक का दायित्व सौंपा गया है, जबकि प्रभारी नायब तहसीलदार धनीराम अहिरवार को अभ्यर्थियों एवं गणना एजेंट और कोमल सिंह को शासकीय लोकसेवकों के प्रवेश द्वार पर तथा प्रभारी नायब तहसीलदार विक्टर रोड्रिक्स को मीडिया सेंटर के लिए मजिस्ट्रेट का दायित्व सौंपा गया है।

तावेज़ खान ने रक्तदान कर बचाई गरीब की बेटी की जान

पन्ना

जिला अस्पताल पन्ना में भर्ती बाबू सिंह लोधी की 16 वर्षी पुत्री कुमारी शिखा लोधी को एबी पॉजिटिव खून की अत्यंत जरूरत थी। उनके घर परिवार में किसी का भी एबी पॉजिटिव खून ना होने के कारण वह दो दिन से खून के लिए काफी परेशान थे। उन्होंने दूरभाष के माध्यम से जानकारी पन्ना जिले के समाजसेवी राम बिहारी गोस्वामी को दी। समाजसेवी राम बिहारी गोस्वामी द्वारा सोशल मीडिया पर खून की जरूरत को लेकर संदेश प्रसारित किया गया। सोशल मीडिया पर संदेश को पढ़ने के बाद शहर के आगरा मोहल्ला निवासी तावेज़ खान पिता इस्लाम खान उम्र 25 वर्ष बिना कोई विलंब किए जिला अस्पताल पन्ना पहुंचे और उन्होंने स्वेच्छा से पीड़ित बेटी को खून दान कर उनके स्वस्थ होने की कामना की। रक्तदान दाता तावेज़ खान ने कहा कि रक्त दान करने से किसी भी प्रकार की कमजोरी बीमारी रहा। आती है, जरूरतमंद व्यक्ति के लिए हमेशा रक्तदान करना चाहिए और इससे बड़ा कोई दान नहीं है। खून दान के इस पुनीत कार्य में समाजसेवी राम बिहारी गोस्वामी का सराहनीय योगदान रहा।

पुलिस ने गोवंश का अवैध परिवहन करने वाले एक आरोपी को किया गिरफ्तार

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना साईंकृष्णा एस.थोटा द्वारा जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को अवैध गोवंश परिवहन करने वाले आरोपियों के विरूद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती आरती सिंह व जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) के मार्गदर्शन एवं जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में थाना स्तर पर पुलिस टीमो का गठन किया गया। इसी तारतम्य में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर द्वारा अवैध गोवंश परिवहन करने वाले व्यक्तियों के संबंध में जानकारी हेतु अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। जिसके फलस्वरूप दिनांक 23/05/2024 को मुखबिर द्वारा थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर को दी गई कि एक ट्रक कन्टेनर में अवैध रूप से गोवंश को क्रूरतापूर्वक भरकर सतना तरफ ले जाया जा रहा है। थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर द्वारा तत्काल मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुँचकर वाहन चेकिंग लगाकर ट्रक कन्टेनर क्र. म्त69म्7145 को रोककर चेक किया गया जिसमें गौवंश बैल एवं गाय कुल 35 नग क्रूरता एवं निर्दयता पूर्वक उनका मुँह व पैर रस्सी से बँधे ठूस ठूस कर भरे थे, जिसमें 08 बैल मृत हो चुके थे, पुलिस ने चालक मोहम्मद आजम पिता मुख्तार अहमद उम्र 32 वर्ष निवासी अकबरपुर सल्लाहपुर थाना पुरामुफ्ती जिला कौशाम्बी इलाहाबाद (प्रयागराज) उ.प्र. के कब्जे से उक्त ट्रक कन्टेनर क्र. एच आर 69 ई 7145 कीमती 14,00,000 रू. व 35 नग गौवंश कीमती करीबन 3,50,000 रू. कुल मशरूका करीब कीमती 17,50,000 रु. के जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर थाना देवेन्द्रनगर में आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र. 281/2024 पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया है। उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर निरी.अनूप यादव, उपनिरी श्रीकृष्ण सिंह मावई, आर. दिलीप शर्मा, संजय, भरत पाण्डेय एवं अमर सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

पशुपालकों से पशु उपचार की घर बैठे सुविधा का लाभ प्राप्त करने की अपील

पन्ना। पशुपालक एवं डेयरी विभाग द्वारा पशु धन संजीवनी 1962 के तहत चलित पशु चिकित्सा इकाई वाहन शुरू किया गया है। इसमें बीमार पशु के उपचार के लिए टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल कर जिले के पशुपालक पशुओं का उपचार घर बैठे करा सकते हैं। कॉल सेन्टर पर कॉल पंजीयन होते ही मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से संबंधित वाहन के पशु चिकित्सक का मोबाइल नंबर पशुपालक को प्राप्त होता है। संबंधित वाहन प्रभारी द्वारा पशुपालक से संपर्क कर उनके बीमार पशु का उपचार किया जाता है। शासन के निर्देशानुसार इस सुविधा के लाभ के लिए पशु मालिक को 150 रूपए का भुगतान बतौर शुल्क राशि करना जरूरी है। विभाग के उप संचालक डॉ. डी.पी. तिवारी ने जिले के सभी पशुपालकों से अपील की है कि पशु के बीमार होने पर टोल फ्री नंबर 1962 में अपना कॉल पंजीयन कराएं और घर बैठे पशु उपचार की सुविधा का लाभ प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि कुछ पशु मालिकों द्वारा पशु बीमार होने पर सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई जाती है, जिससे पशु के उपचार में विलंब होता है और पशु चिकित्सक द्वारा उपचार के लिए पहुंचने पर पशु की मृत्यु भी हो जाती है।

स्ट्रांग रूम खोलने के दौरान अभ्यर्थी या एजेंट रहें उपस्थित

पन्ना। लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत आगामी 4 जून को सुबह 8 बजे से शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में मतगणना शुरू होगी। इसके लिए जिले के पन्ना, पवई एवं गुनौर के स्ट्रांग रूम सहित खजुराहो लोकसभा के सभी 8 विधानसभाओं के डाक मतपत्र स्ट्रांग रूम को खोला जाकर मतगणना का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

कलेक्टर ने मतगणना स्थल का किया निरीक्षण

पन्ना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ने 25 मई को जिला मुख्यालय स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना पहुंचकर मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत खजुराहो संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की पन्ना जिले की तीन विधानसभा क्षेत्रों में हुए ईव्हीएम से मतदान की मतगणना 4 जून को सुबह 8.30 बजे से शुरू होगी, जबकि खजुराहो लोकसभा के सभी आठ विधानसभा के डाक मतपत्रों की गणना पन्ना जिला मुख्यालय पर 8 बजे शुरू की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। जिला कलेक्टर ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन भी किया और संक्षिप्त बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों से मतगणना टेबल, मतगणना कार्य मे संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों की संख्या, कर्मचारियों एवं अभ्यर्थियों व एजेंट के प्रवेश व निकास द्वार, सुरक्षा व्यवस्था इत्यादि के संबंध में चर्चा कर जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मतगणना के दौरान मीडिया रूम, भोजन व्यवस्था इत्यादि के संबंध में भी जरूरी व्यवस्थाओं के लिए निर्देशित किया। उपस्थित अधिकारियों से मतगणना की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। मतगणना के संबंध में मतगणना स्थल परिसर में पुख्ता और बेहतर व्यवस्थाओं के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना के दिन विद्युत की सतत् आपूर्ति सुनिश्चित हो और किसी भी वजह से मतगणना कार्य प्रभावित न हो। मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्थाएं सुचारू तरीके से संचालित रहे। उन्होंने छाया, पेयजल, इंटरनेट व अन्य संचार व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलाम्बर मिश्र सहित एसडीएम संजय नागवंशी, डिप्टी कलेक्टर समीक्षा जैन, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग बी.के. त्रिपाठी, सहायक यंत्री अरविंद सिंह गौर, महाविद्यालय प्राचार्य अरविन्द त्रिपाठी, सहायक कोषालय अधिकारी आर.पी. प्रजापति, निर्वाचन पर्यवेक्षक उमाशंकर दुबे भी उपस्थित रहे।

शिविर में अनुपस्थित प्राचार्यों के एक दिवस का वेतन रोकने के निर्देश

पन्ना। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में शनिवार को एमपी टॉस पोर्टल पर छात्रवृत्ति संबंधी कार्यों के समय सीमा में संपादन के उद्देश्य से विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इस दौरान अनुपस्थित रहे प्राचार्यों और कार्य पूर्णता संबंधी जानकारी उपलब्ध कराए बगैर शिविर से जाने वाले प्राचार्यों की एक दिवस की वेतन रोकी जाएगी। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। प्राचार्यों द्वारा दायित्व निर्वहन में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता व स्वेच्छाचारिता के कारण अनुपस्थित दिवस के वेतन भुगतान न करने की कार्यवाही की गई है।

बिरसिंहपुर आ रहे यूपी के व्यापारियों से 3.30 लाख की लूट, आंख में मिर्च पाउडर झोंककर कल्याणपुर के जंगल में की वारदात

सतना। यूपी से गुटखा खरीदने बिरसिंहपुर आ रहे दो व्यापारियों की आंखों में मिर्च झोंककर अज्ञात बदमाशों ने 3 लाख 30 हजार रुपए लूट लिए, जिससे इलाके में हडकंप मच गया, वहीं चित्रकूट पुलिस अपराध दर्ज कर बदमाशों की तलाश में जुट गई है। एसपी अरूण कुमार सिंह ने बताया कि जिले के मानिकपुर निवासी व्यापारी दिलीप केसरवानी और हंसराज केसरवानी बीते काफी सालों से सतना जिले के बिरसिंहपुर बाजार से थोक में गुटखा खरीदकर मानिकपुर और सरैया के फुटकर दुकानदारों को सप्लाई करते हैं। इसी सिलसिले में शनिवार की सुबह दोनों लोग अलग-अलग बाइक से माल खरीदने बिरसिंहपुर के लिए निकल पड़े, लेकिन जैसे ही दोपहर करीब 12 बजे कल्याणपुर के जंगल में पहुंचे तो दो बाइकों में आए अज्ञात बदमाशों ने ओवर टेक कर रास्ता रोक लिया और आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया, जिससे दिलीप व हंसराज घबरा गए। तब लुटेरों ने मारपीट कर उनके कब्जे से रुपयों से भरे बैग छीन लिए। बताया गया है कि एक व्यापारी के पास डेढ़ लाख और दूसरे के बैग में 1 लाख 80 हजार रुपए रखे थे। इतना ही नहीं एक व्यापारी का स्मार्ट फोन भी छुड़ा लिया, तो दूसरे का कीपैड वाला मोबाइल पटक कर तोड़ दिया, ताकि पीड़ित पुलिस से सम्पर्क न कर पाएं। लूटपाट कर बदमाश अपनी बाइकों में सवार होकर अलग-अलग दिशा में भाग गए। फोन नहीं होने से पीड़ित तुरंत मदद के लिए सम्पर्क नहीं कर पाए, जिससे आरोपियों को दूर निकल जाने का मौका मिल गया। अपराधियों के जाने के पश्चात पीड़ित किसी तरह हिम्मत जुटाकर नजदीकी गांव पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से पुलिस तक खबर पहुंचाई। दिनदहाड़े लूटपाट की सूचना मिलते ही एसपी अरुण कुमार सिंह दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और पीड़ितों से जानकारी हासिल कर अलग-अलग टीमों को लुटेरों की धरपकड़ के लिए रवाना कर दिया। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि अपराधियों ने रेकी कर व्यापारियों के आने-जाने के रास्ते और समय का अनुमान लगा लिया था। गिरोह पहले से उस रास्ते पर घात लगाए बैठा था, ऐसे में जैसे ही दिलीप और हंसराज घने जंगल में घुसे, तभी लुटेरों ने उनको घेरकर वारदात को अंजाम दे दिया।

शासकीय आवास आवंटन मे चल रहा जमकर भ्रष्टाचार

संबंधित अधिकारी तथा लिपिक ले रहा मोटी रकम

पन्ना। पन्ना जिले मे शासकीय आवास आवंटन कराने के लिए कलेक्टर कार्यालय मे बिना पैसे दिये आवास आवंटन नही होता है। जो भी अधिकारी कर्मचारी शासकीय आवस लेना चाहता है उसे संबंधित अधिकारी तथा बाबू को मोटी रकम चढानी पडती है। जिसके द्वारा रिश्वत नही दी जाती है वह आवेदन लेकर सालो चक्कर लगाता रहात है, लेकिन उसे आवास नही मिल पाता है। आज भी अनेक शासकीय आवास खाली पडें हुए है लेकिन उक्त आवास प्राप्त करने वालो को गोल मोल जवाब दिया जाता है तथा जिसके द्वारा रिश्वत दे दी जाती है उसे आवास आंवटन कर दिया जाता है। इसी प्रकार के मामले को लेकर जिले के समाजसेवी लक्ष्मी नारायण चिरोलया ने आरोप लगाते हुए बताया कि मेरे द्वारा विगत छह माह से अपनी पत्नी के लिए आवास आवंटन करने का आवेदन दिया हुआ है लेकिन संबंधित अधिकारी तथा लिपिक द्वारा हर बार गुमराह किया जाता है। उन्होने यह भी आरोप लगाया कि दलित होने के चलते भेद भाव किया जा रहा है।

अमानगंज ठेका से गांव-गांव पहुंचाई जा रही है अवैध शराब

पुरैना जेके सीमेंट कंपनी के पास चल रहे दर्जन भर अवैध शराब के अड्डे

पन्ना। जिले के पुलिस कप्तान साईं कृष्णा एस थोटा के द्वारा अवैध शराब, गांजा एवं अन्य अवैध व प्रतिबंधित मादक पदार्थों के निर्माण, भंडारण, परिवहन व बिक्री को रोकने चलाए जा रहे विशेष अभियान एवं प्रयासों में काफी सफलता मिली है। इसके बावजूद गांव-गांव अवैध शराब बिक्री का सिलसिला लगातार जारी है। ऐसा ही मामला अमानगंज थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है, जहां लायसेंसी शराब ठेकेदार के कुछ कर्मचारियों के द्वारा मोटरसाइकिलों से खुलेआम शराब की पेटियां गांव-गांव पहुंचाई जा रही हैं। पुलिस थाना से चंद कदमों की दूरी पर संचालित शराब ठेके से खुलेआम हो रहे शराब के अवैध परिवहन को जिम्मेदारों के द्वारा अनदेखा किया जा रहा है। आबकारी विभाग के महुआ की कच्ची शराब पकड़ने तक सीमित है। शराब ठेकेदार द्वारा गांव-गांव अवैध रूप से बिकवाई जाने वाली शराब के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे शराब माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। जेके सीमेंट कंपनी पास जगह-जगह बिक रही अवैध शराब इसी प्रकार ग्राम पुरैना में जेके सीमेंट कंपनी के पास लगभग दर्जन भर अवैध शराब के अड्डे संचालित बताए जा रहे हैं, जहां खुलेआम अंग्रेजी एवं देसी शराब की बिक्री हो रही है, यहां बिकने वाली शराब के खरीददार अधिकतर जेके सीमेंट कंपनी से सीमेंट लोड कर बाहर ले जाने वाले ट्रकों ऑन के ड्राइवर और उत्तर प्रदेश के जीके सीमेंट प्लांट के लिए क्लिंकर ले जाने वाले ट्राला के ड्राइवर होते हैं। जिसकी वजह से हादसों में बढ़ोतरी बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के द्वारा कई बार अमानगंज थाना, सिमरिया थाना और आबकारी विभाग के अधिकारियों व उड़नदस्ता को अवैध शराब की बिक्री की सूचना देने की जानकारी प्राप्त हुई है लेकिन सख्त कार्यवाही नहीं होने से अवैध शराब की बिक्री का सिलसिला लगातार जारी है।

स्कैनिंग कार्य के लिए लगाई ड्यूटी

पन्ना। लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत खजुराहो संसदीय क्षेत्र की डाक मतपत्र गणना के दौरान ईटीपीबीएस के क्यूआर कोड की स्कैनिंग कार्य के लिए लोकसेवकों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें ई-गवर्नेंस मैनेजर दीपक सोनी, सीनियर डाटा मैनेजर मृदुल श्रीवास्तव, प्रोग्रामर पियूष रंजन श्रीवास्तव, लीड ट्रेनर ई-दक्ष केन्द्र वैभव सोनी, प्रशिक्षक ई-दक्ष केन्द्र धीरज पाण्डेय, सहायक प्रबंधक ई-गवर्नेंस आलोक सेन एवं सारिका अग्रवाल शामिल हैं। उक्त कार्यों का नोडल अधिकारी जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सितांशु राय को बनाया गया है। नियुक्त लोकसेवकों को क्यूआर कोड स्कैनिंग से संबंधित समस्त उपकरणों की स्थापना एवं टेस्टिंग संबंधी कार्यवाही 2 जून के पूर्व निर्धारित हॉल में पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया है।

वनरक्षक भर्ती के तहत शारीरिक परीक्षा स्थगित

पन्ना। दक्षिण वनमंडल पन्ना अंतर्गत वर्ष 2022-23 में वनरक्षक एवं क्षेत्ररक्षक भर्ती के लिए लिखित परीक्षा में द्वितीय चरण के लिए सफल उम्मीदवारों की 26 एवं 27 मई 2024 को शारीरिक परीक्षा प्रस्तावित थी, जिसके तहत पैदल चाल को वर्तमान में लू के दृष्टिगत स्थगित किया गया है। वनमंडल अधिकारी पुनीत सोनकर ने बताया कि इस संबंध में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, प्रशासन-2 भोपाल कमालिका मोहंता से दूरभाष पर प्राप्त निर्देश अनुसार आगामी आदेश तक केवल अभ्यर्थियों की पैदल चाल स्थगित की गई है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, सोमवार 27 मई 2024 | 8

रीवा बाईपास पर सड़क हादसा, बाइक सवार तीन युवकों ट्रक ने कुचला, एक की मौत दो गंभीर। सतना जिले के कोटा गांव के निवासी है तीनो युवक उपचार कराने आये थे रीवा।

श्री विधि से धान की रोपाई किसानों के लिये वरदान

रीवा। जिले में काफी बड़े क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। अधिकतर किसान रोपा विधि से धान लगाते हैं। इसकी तुलना में मेडागास्कर विधि जिसे एस.आर.आई. श्री विधि कहा जाता है, से धान लगाना अधिक लाभकारी है। इसमें कम पानी, कम बीज और बिना खरपतवार के धान का अच्छा उत्पादन होता है। परम्परागत विधि से किसान को प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल धान की उपज मिलती है। इसकी तुलना में श्री विधि से धान लगाने पर प्रति हेक्टेयर 35 से 50 धक्कटल धान का उत्पादन होता है। उप संचालक यूपी बागरी कृषि ने किसानों से धान रोपण के लिये श्री विधि अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक किसानों के लिये वरदान है।

उप संचालक यूपी बागरी ने बताया कि श्री विधि से प्रति हेक्टेयर केवल 6 से 8 किलो बीज की जरूरत होती है। इसे विशेष तरह की प्लेट अथवा पॉलीथीन में नर्सरी लगाकर तैयार किया जाता है। इसमें भुरभुरी मिट्टी तथा राख का होना आवश्यक है। इसके लिये 10 मीटर लम्बी तथा 5 से.मी. ऊंची क्यारी बनायें। इसमें 50 किलो नाडेप अथवा गोबर की खाद मिलाकर बीजों की बोनी करें। बोनी से पहले बीजों को थाईरम दवा से उपचारित करें। प्रत्येक क्यारी में 120 ग्राम बीज की बोनी करें। इन्हें ढंककर हल्की सिंचाई करें। धान रोपित करने के लिये खेत को गहरी जुताई करके उसके खरपतवार नष्ट करें। खेत में पर्याप्त पानी देकर रोपाई के लिये खेत तैयार करें। इसमें नर्सरी में तैयार धान के 15 से 21 दिन के पौधे रोपित करें। तैयार खेत में मार्कर हल की सहायता से 20-20 से.मी. दूरी पर निशान बनायें। इन निशानों पर धान का केवल एक पौधा रोपित करें।

उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि पौधे से पौधे तथा कतार से कतार की दूरी 2 से.मी. रखें। पौधों के बीच में पर्याप्त अंतर होने पर उन्हें पर्याप्त हवा तथा नमी प्राप्त होगी। कतार में पर्याप्त दूरी रहने पर खरपतवार होने की स्थिति में कोनावीडर की सहायता से इन्हें आसानी से निकालकर खाद बनायी जा सकती है। मृदा हेल्थ कार्ड में खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों के अनुसार खाद का उपयोग करें। इसमें गोबर की खाद नाडेप तथा वर्मी खाद का अधिक उपयोग करें। धान रोपित करने के 15 दिन बाद कम मात्रा में यूरिया का छिड़काव किया जा सकता है। श्री विधि से धान लगाने पर खेत में पानी भरने की जरूरत नही होती है। लेकिन खेत में नमी बनी रहे इसकी व्यवस्था करें। जिस समय धान के पौधो में वृद्धि हो रही हो उस समय खेत को 2 से 3 दिनों के लिये सूखा छोड़ देना चाहिये। इसके बाद पुनः हल्की सिंचाई करके खेत को नम करना चाहिये। इस विधि से किसान 35 से 50 धक्कटल तक धान प्राप्त कर सकते हैं। इसके संबंध में किसान कृषि विस्तार अधिकारी से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

मतगणना दलों का प्रथम चक्र का प्रशिक्षण आज

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए मतगणना 4 जून को शासकीय इंजीनियरिंग कालेज रीवा में की जाएगी। मतगणना के लिए नियुक्त मतगणना दलों को प्रथम चक्र का प्रशिक्षण 27 मई को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक दिया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने मतगणना दलों के लिए नियुक्त अधिकारियों-कर्मचारियों को शासकीय टीआरएस कालेज में प्रशिक्षण में उपस्थिति के निर्देश दिए हैं। प्रशिक्षण में काउंटिंग सुपर वाइजर एवं काउंटिंग सहायक, माइक्रो आब्जर्वर भी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

घर से निकलते समय धूप और लू से बचाव के उपाय करें: डॉ. शुक्ला

रीवा। जिले में पिछले 4 दिनों में तापमान में तेजी से वृद्धि हुई है। प्रातः 10 बजे से ही गर्म हवाएं चलने लगती हैं जिसके कारण लू लगने की आशंका बढ़ गई है। जिले में 26 मई को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। नौतपा भी 25 मई से आरंभ हो गया है। रात में भी तापमान लगातार अधिक बना हुआ है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला ने आमजनों को लू से बचाव की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि लू से बचने के लिए जन सामान्य ज्यादा समय तक घर पर ही रहें। जिले में पिछले एक सप्ताह से तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। दिन में 10 बजे के बाद गर्म हवाओं का प्रकोप हो जाता है। आमजन अतिआवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले। जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलते समय पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। खाली पेट घर से बाहर न जायें। इससे लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। दिन में कम से कम 12 से 15 गिलास पानी जरूर पियें। लू से बचाव के लिए देशी घरेलू उपाय अपनाएं। बाहर निकलते समय सूती कपड़े से चेहरा और सर ढककर रखें तथा पानी साथ में जरूर रखें। पहनने के लिए सूती कपड़ों का अधिक उपयोग करें। लू से बचने के लिए खरबूज, तरबूज, ककड़ी, खीरा, आदि मौसमी फलों का सेवन करें। बेल, सौफ, पोदीना, धनिया आदि के शर्बत तथा छांछ के उपयोग से भी लू से बचाव होता है। अगर लू के लक्षण जैसे मिचली आने, गला सूखने तथा बुखार का प्रकोप होने पर तत्काल डॉक्टर से संपर्क करके उचित उपचार करायें।

ईटीपीबीएस एवं इनकोर का प्रशिक्षण 27 मई को

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए मतगणना हेतु ईटीपीबीएस एवं इनकोर का प्रशिक्षण टीआरएस महाविद्यालय के दो कक्षों में 27 मई को संपन्न होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने संबंधितों को प्रशिक्षण में उपस्थिति के निर्देश दिए हैं।

जिले में अब तक समर्थन मूल्य पर हुई 1077322 क्विंटल गेंहू की खरीद

रीवा। जिले में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में एक अप्रैल से सहकारी समितियों द्वारा समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीद की जा रही है। इस संबंध में प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि जिले में 26 मई तक 23591 किसानों से 1077322 क्विंटल गेंहू की खरीद अब तक की गयी है। इसके लिए किसानों को 258 करोड़ 55 लाख 74 हजार की राशि मंजूर की गयी है। उपार्जित गेंहू का सुरक्षित भण्डारण कराया जा रहा है। अब तक खरीदे गये गेंहू में से 1023725 क्विंटल गेंहू का परिवहन

किया जा चुका है। अब तक किसानों के बैंक खाते में 199 करोड़ 8 लाख 25 हजार 173 रूपये की राशि का भुगतान किया जा चुका है। गेंहू खरीदी के लिए अब तक 27248 किसानों ने स्लॉट बुक किये हैं।

वेतन 28 मई तक करें जनरेट

रीवा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी आरडी चौधरी ने जिले के सभी आहरण संवितरण अधिकारियों 28 मई तक वेतन देयक जनरेट करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि सभी अधिकारी उक्त तिथि तक अनिवार्यतः वेतन देयक जनरेट कर दें जिससे एक जून को शत-प्रतिशत अधिकारियों-कर्मचारियों को वेतन का भुगतान किया जा सके। समय पर वेतन जनरेट न करने पर माह की प्रथम तारीख को वेतन दिया जाना संभव नहीं होगा। जिन अधिकारियों, कर्मचारियों का वेतन किसी कारणवश रोक गया है, उन्हें छोड़कर शेष सभी के वेतन देयक जनरेट कर दें।

बंदियों को दिया गया आर्टआफ लिविंग का प्रशिक्षण

रीवा। केन्द्रीय जेल रीवा में बंदियों का जीवन बेहतर करने के लिए लगातार नवाचार किया जा रहा है। बंदियों को रोजगारमूलक प्रशिक्षण देने के साथ उनके मानसिक विकास के लिए श्री रविशंकर महाराज की संस्था आर्टआफ लिविंग के माध्यम से आर्टआफ लिविंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस संबंध में जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि बंदियों को 23 मई से 26 मई तक प्रशिक्षण दिया गया। संस्था के गुजरात से आये प्रशिक्षक प्रशांत कुमार ने 27 बंदियों को एडवांस आध्यात्मिक प्रशिक्षण दिया। इनमें से दो बंदियों को मौन साधना दिया गया। प्रशिक्षण लेने वाले बंदियों को अलग बैरक में रखा गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बंदियों को योग, सूर्यनमस्कार, प्राणायाम, सूदर्शन क्रिया तथा योगनिद्रा का अभ्यास कराया गया। योग के माध्यम से बंदियों को मानसिक और शारीरिक दृढ़ता तथा रोगों से बचाव के लाभों की जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण में उप जेल अधीक्षक योगेन्द्र परमार तथा सहायक जेल अधीक्षक श्याम सिंह कुशवाह भी शामिल हुए।

आपदा नियंत्रण संबंधी बैठक आज

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में अतिवर्षा के कारण बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति से निपटने हेतु पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में 27 मई को टीएल बैठक के उपरांत आयोजित इस बैठक में संबंधित अधिकारियों को विभागीय बाढ़ राहत कार्ययोजना के साथ उपस्थिति के निर्देश दिये गये है।

कलेक्टर आज करेंगी टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में 27 मई को प्रातः 11 बजे से साप्ताहिक टीएल बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों तथा टीएल पत्रों के निराकरण की समीक्षा करेंगी। बैठक में लोकसभा निर्वाचन में मतगणना की तैयारियों तथा पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की जायेगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

शासकीय ज्ञानोदय स्कूल में प्रवेश का अवसर

रीवा। जनजाति कार्य विभाग द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय रीवा में नवीन शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रवेश की प्रक्रिया आरंभ हो गयी है। विद्यालय में कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ावर्ग तथा सामान्य वर्ग के बीपीएल परिवारों के बच्चों को प्रवेश दिया जा रहा है। इस संबंध में प्राचार्य आरके तिवारी ने बताया कि विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र 10 जून को शाम 4 बजे तक जमा किये जा सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 14 जून को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक विद्यालय में आयोजित होगी। कक्षा 7वीं, 8वीं तथा 9वीं में प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर दिया जायेगा। कक्षा 11वीं एवं कक्षा 10वीं में प्राप्त अंकों के आधार पर संकायवार तैयार मेरिट लिस्ट के अनुसार प्रवेश दिया जायेगा। प्रवेश परीक्षा पूरी तरह निःशुल्क है। प्रवेश के लिए आवेदन पत्र ज्ञानोदय विद्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। विद्यालय में प्रवेश के लिए विद्यार्थी को 60 प्रतिशत से अधिक अंकों से परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा।

सीधी की घटना के बाद वाइस चेंजर एप पर रोक लगाने की मांग करेगी मध्य प्रदेश सरकार

रीवा। मप्र के सीधी में वाइस चेंजर एप (आवाज बदलने वाला एप) से स्कूल प्रिंसिपल की आवाज में छात्राओं को बुलाकर दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद प्रदेश सरकार इस तरह के मोबाइल एप्लीकेशन को बंद करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखेगी। इस पर अमल होता है तो मध्य प्रदेश ही नहीं देशभर में इस तरह के एप से होने वाले अपराध रुक जाएंगे।

पुलिस मुख्यालय इस तरह के एप की सूची तैयार कर गृह विभाग के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजेगा। केंद्र इसका परीक्षण कर प्रतिबंध लगा सकता है। इसके बाद प्ले स्टोर में यह एप नहीं मिलेंगे न ही पहले इंस्टाल एप काम करेंगे। बता दें कि घटना के मुख्य आरोपित ने यूट्यूब से जानकारी लेकर लगभग डेढ़ माह पहले एप इंस्टाल किया था।

एडीजी साइबर अपराध योगेश देशमुख ने बताया कि वाइस चेंजर एपों का अपराध के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। आरोपित दुष्कर्म, लूट जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। एप में सेटिंग कर महिला या पुरुष की आवाज से बात की जा सकती है। हालांकि, थोड़ी सी सावधानी रखी जाए तो इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया वाइस चेंजर की आवाज अपेक्षाकृत ज्यादा सुरीली होती है। बता दें कि इसके पहले लोन एपों पर प्रतिबंध लगाने के लिए पुलिस मुख्यालय ने राज्य सरकार के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखा था और इस पर अमल भी किया गया था। रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक महेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया गिरफ्तार चारों आरोपितों के मोबाइल जब्त किए गए हैं। इनकी जांच में सामने आएगा कि आरोपितों ने अपने मोबाइल में कौन-कौन से वाइस चेंजर एप इंस्टाल किए थे।

स्व. पंडित जवाहर लाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि पर एक संगोष्ठी को आयोजन किया गया

रीवा। रीवा जिला कांग्रेस कमेटी शहर एवं ग्रामीण के संयुक्त तत्वावधान में आज 27 मई को सुबह 11:00 बजे देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पंडित जवाहर लाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि पर एक संगोष्ठी को आयोजन किया गया है। जिला कांग्रेस कमेटी रीवा ग्रामीण के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा एवं शहर अध्यक्ष लखनलाल खण्डेलवाल ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर कांग्रेस पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं समस्त कांग्रेस जनों से सुबह 11:00 बजे कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

नरवाई न जलाने तथा इससे जैविक खाद बनाने की सलाह

रीवा। कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों को गेंहू की फसल काटने के बाद बचे हुए अवशेष (नरवाई) नहीं जलाने की सलाह दी गई है। नरवाई जलाने से एक ओर जहां खेतों में अग्नि दुर्घटना की संभावना रहती है वहीं मिट्टी की उर्वरकता पर भी विपरीत असर पाता है। इसके साथ ही धुएँ से कार्बन डायआक्साइड से तापक्रम बढ़ता है ओर वायु प्रदूषण भी होता है। मिट्टी की उर्वरा लगभग 6 इंच की ऊपरी सतह पर ही होती है इसमें खेती के लिए लाभदायक मित्र जीवाणु उपस्थित रहते हैं। नरवाई जलाने से यह नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति को नुकसान होता है। नरवाई जलाने की बजाए यदि फसल अवशेषों को एकत्रित करके जैविक खाद बनाने में उपयोग किये तो यह बहुत लाभ दायक होगा। नाडेप तथा वर्मी विधि से नरवाई से जैविक खाद आसानी से बनाई जा सकती है। इस खाद में फसलों के लिए पर्याप्त पोषक तत्व रहते हैं। इसके आलावा खेत में रोटावेटर अथवा डिस्क हैरो चलाकर भी फसल के बचे हुए भाग को मिट्टी में मिला देने से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है।

एमपी में अनुमति से 30 प्रतिशत अधिक का भवन निर्माण 31 अगस्त तक करा सकेंगे वैध

रीवा। मध्य प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में अब अनुमति से 30 प्रतिशत तक अधिक किया गया आवासीय और व्यावसायिक निर्माण 31 अगस्त, 2024 तक वैध कराया जा सकेगा। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने पूर्व में संशोधित नियम को लेकर सभी नगर निगम आयुक्त और निकाय के सीएमओ को निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश के नगर निगम और निकायों की आर्थिक तंगी दूर करने के लिए कंपाउंडिंग के नियमों में संशोधन किया गया है। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते पूर्व की व्यवस्था को यथावत रखा गया है। अनुमति से अधिक निर्माण करने के मामले बार-बार सामने आते हैं। इन्हें वैध करने के लिए सरकार ने पूर्व में भी 30 प्रतिशत तक अवैध निर्माण को वैध करने का प्रविधान किया था।

यह अवधि समाप्त हो गई थी और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से यह मांग आ रही थी कि एक बार और अवसर दिया जाए ताकि जो लोग रह गए हैं वे भी अपने निर्माण को वैध करवा सकें। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग को एक निश्चित समय सीमा के लिए अवसर देने के निर्देश दिए थे। विभाग ने मध्य प्रदेश नगर पालिका (अनुज्ञा के बिना भवनों के संनिर्माण के अपराधों का प्रशमन, शुल्क एवं शर्त) नियम 2016 में संशोधन किया है।

जिसके तहत 31 अगस्त, 2024 तक के लिए भवन के 10 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक अनधिकृत निर्माण को उस क्षेत्र की कलेक्टर गाइडलाइन द्वारा निर्धारित बाजार मूल्य की दर का 12 प्रतिशत के बराबर शुल्क लेकर वैध किया जा सकेगा। भवन के व्यावसायिक उपयोग के मामले में यह शुल्क 18 प्रतिशत लगेगा। इसका लाभ एक जनवरी, 2021 के पूर्व जारी भवन अनुज्ञा के अंतर्गत निर्मित भवनों पर ही मिलेगा।

भोपाल में साढ़े चार लाख से अधिक संपत्तियां हैं। इनमें से 80 प्रतिशत में भवनों के निर्माण में भवन अनुज्ञा के नियमों का पालन नहीं किया गया है।

टी. आर. एस. कॉलेज के दर्शनशास्त्र एवं संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वाधान में

भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध सन्दर्भ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

रीवा। शा. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में गत दिनों दर्शनशास्त्र एवं संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वाधान में तथा ''उच्च शिक्षा विभाग'' मध्य प्रदेश के प्रायोजकत्व में ''भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध सन्दर्भ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय वेबिनार में महाविद्यालय की प्राचार्य एवं इस वेबिनार की संरक्षक डॉ. अर्पिता अवस्थी जी ने अपना स्वागत उद्बोधन प्रदान करते हुए वेबिनार की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं अपने उद्बोधन में प्राचार्य ने प्रदेश के बाहर से उपस्थित विव्दान क्रमशः प्रो. जटाशंकर जी पूर्व आचार्य, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज तथा वर्तमान अध्यक्ष, अखिल भारतीय दर्शन परिषद्, प्रो.सच्चिदानंद मिश्र जी (राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित) आचार्य दर्शन

एवं धर्म विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी सम्प्रति सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली का स्वागत किया साथ ही वेबिनार के संयोजक डॉ. आर.पी.चतुर्वेदी जी के सफल संयोजन हेतु आभार एवं वेबिनार की सहसंयोजक डॉ. निवेदिता टेंभरे तथा आयोजन सचिव डॉ. आशुतोष कुमार सिंह के सफल संचालन के लिए प्रेरक संदेश दिया द्य अगले क्रम में वेबिनार के संयोजक एवं संस्कृत, विभागाध्यक्ष डॉ. आर.पी चतुर्वेदी जी ने वेबिनार के केन्द्रीय विषय पर अपना सारस्वत उद्बोधन प्रदान कर कार्यक्रम को गति प्रदान किये तत्पश्चात् वेबिनार के आयोजन सचिव डॉ. आशुतोष कुमार सिंह (दर्शनशास्त्र विभाग) द्वारा कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र जी को अपने ओजपूर्ण व्याखान के लिए आमंत्रित किया गया, मिश्र जी ने अपने व्याख्यान के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के समग्र बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए 'भारतीय ज्ञान परम्परा के अस्तित्व की सारगर्भित विवेचना की। इसी क्रम में प्रो. जटाशंकर जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में योग मार्ग' पर चलने की बात पर बल देते हुए कहा कि 'भारतीय ज्ञान परंपरा' को हम सभी को अपने जीवन में उतारना होगा तथा इसके लिए हमें अपने शास्त्रों को आत्मसात करना होगा।

तत्पश्चात वेबिनार की सह संयोजक डॉ. निवेदिता टेंभरे, विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र द्वारा सर्वप्रथम वेबिनार की संरक्षक, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी जी को साधुवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम के संयोजक, विभागाध्यक्ष संस्कृत, डॉ. आर.पी. चतुर्वेदी जी के सफल संयोजन हेतु आभार व्यक्त करते हुए वेबिनार के मुख्य वक्ता एवं अध्यक्ष क्रमशः प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र, प्रो. जटाशंकर जी को विशेष रूप से धन्यवाद व्यक्त करने के साथ ही कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. आशुतोष कुमार सिंह के संचालन हेतु कृतज्ञता अभिव्यक्त किया गया। राष्ट्रीय वेबिनार में देश के कोने-कोने से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया वेबिनार में पत्र-वाचन हेतु दो सत्रों का आयोजन किया गया प्रथम सत्र की अध्यक्षता, डा. आर.पी. चतुर्वेदी जी (विभागाध्यक्ष संस्कृत) तथा द्वितीय सत्र की अध्यक्षता, डा. निवेदिता टेम्भरे जी (विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र) द्वारा किया गया दोनों सत्रों में कुल 16 प्रतिभागियों द्वारा गुणवत्ता युक्त शोध-पत्र का वाचन किया गया।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833